डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 61 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 08 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पिनाका रॉकेट लॉन्चर के लिए 10 हजार करोड़ का एमओयू तैयार

● रक्षा समिति ने दी मंजूरी, तोपखानों को और मजबूत करने का है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना को आधुनिक सुविधा मुहैया कराने के लिए पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम के लिए हरी झंडी मिलती दिख रही है। भारतीय सेना के तोपखानों को और आधुनिक बनाने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के गोला बारूद खरीदने के लिए मंजूरी मिलने वाली है। सुरक्षा को लेकर बनाई गई मंत्रिमंडलीय समिति ने रक्षा सौदे के इस महत्वपूर्ण फैसले को मंजूरी पिछले सप्ताह ही दे दी थी। इस फैसले के तहत दो भिन्न प्रकार के गोला-बारूद खरीदें जाएंगे। दुश्मन देशों को युद्ध क्षेत्र में मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय सेना अपनी तैयारी में लगी रहती है। इसी कड़ी में भारतीय सेना को मजबूती प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 10,200 करोड़ रुपये से अधिक के पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर हथियार प्रणालियों के गोला बारूद खरीदने को लेकर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की

तैयारी चल रही है। जानकारी के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के अंत में इस एमओयू पर मुहर लग सकती है। 31 मार्च से पहले इन दो बड़े अनुबंधों के तहत 5700 करोड़ का हाई-विस्फोटक प्री-फ्रैगमेंटेड गोला-बारूद और 4500 करोड़ रुपये का एरिया डिनायल म्यूनिशन का सौदा किया जा सकता है। पिनाका रॉकेट के निर्यात के लिए कई देशों ने रुचि दिखाई है। इसे आर्मेनिया खरीद चुका है जबकि फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसकी सफलता एक बड़ी कहानी बनती जा रही है। इस रॉकेट सिस्टम के कई वैरिएंट उपलब्ध हैं। ये रॉकेट 75 किलोमीटर और उससे भी अधिक दूरी तक लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इसकी सटीक मारक क्षमता दुनिया के सबसे एडवांस्ड आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम में से एक है।

यूपी के गांव में मिला कच्चे तेल का भंडार!

कंपनी के अफसरों ने शुरू कराई बोरिंग, शुरू हुई तलाश

बदायूं (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जनपद से भारत देश के लिए अच्छी और बड़ी खबर सामने आ सकती है। यहां कच्चे तेल की संभालना के मद्देनजर अल्फाजियों, इंडिया कंपनी ने सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया है। उक्त कंपनी अफसरों ने जिले के उघैती इलाके के गांव टिटौली में पिछले कई दिनों डेरा डाल

रखा है और यहां कच्चे तेल की खोज करना शुरू कर दिया है। अफसर यहां बोरिंग की गहराई मापने के जरिए पानी निकालकर कच्चे तेल की खोजबीन के रहस्य का पता लगाने की खोज कर रहे हैं। इससे जनपद में कच्चे तेल की संभावनाओं की अटकलें शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि अल्फा जियो यानि की इंडिया कंपनी के अफसर यहां पिछले कई दिनों से जनपद के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर सर्वे के लिए डेरा डालकर डटे हुए हैं। इंडिया कंपनी के अफसर विभिन्न क्षेत्रों पर वैज्ञानिक तरीकों से बोरिंग कर कच्चे तेल की खोज के लिए यहां प्रयासरत हैं। इसके लिए वो गहराई से पानी निकालकर नमूना ले रहे।

हमारा एजेंडा सबका साथ-सबका विकासः पीएम मोदी

राज्यसभा में पीएम ने कहा-कांग्रेस रंग बदलने में है माहिर

कहा-कांग्रेस मॉडल में फैमिली फर्स्ट, हमारे लिए नेशन फर्स्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने विस्तार से चर्चा की है, देश को आगे की दिशा भी दिखाई है। राष्ट्रपति जी का अभिभाषण प्रेरक भी था, प्रभावी भी था और हम सबके लिए भविष्य के काम पर मार्गदर्शक भी था। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे इसके लिए कोई अपेक्षा करना बहुत बड़ी गलती हो जाएगी। ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता।

● मिडिल क्लास आत्मविश्वास से भरा हुआ है

स्टार्टअप चलाने वाले नौजवान मिडिल क्लास के हैं। आज पूरी दुनिया भारत के प्रति आकर्षित हैं। खासतौर पर जी 20 के सदस्य देश आकर्षित हैं। विश्व का टूरिज्म के प्रति आकर्षण बड़ा है। इसका लाभ मिडिल क्लास को मिलेगा। हमारा मिडिल क्लास आत्मविश्वास से भरा हुआ है। मुझे विश्वास है। भारत का मध्यम वर्ग विकसित भारत के लिए हमारे साथ चल पड़ा है। विकसित भारत में सबसे बड़ा रोल युवाओं का है। जो स्कूल कॉलेज में है, वही विकसित भारत के लाभार्थी बनने वाले हैं। पिछले 10 साल में इस तबके को मजबूत करने के लिए बहुत सोची समझी रणनीति से काम किया है। शिक्षा नीति के लिए कभी सोचा नहीं गया। हम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर आए हैं। हम 70 साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान योजना का लाभ दे रहे हैं। इसका लाभ मिडिल क्लास को मिल रहा है।

म्यांमार सीमा पर कंटीले तार लगाने का हो रहा है विरोध

● पूर्वोत्तर के तीन राज्यों ने अभी शुरू नही किया काम, जता रहे नाराजगी ● नगा संगठन की चेतावनी- प्रोजेक्ट में काम किया तो गंभीर नतीजे होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार से लगी पूर्वोत्तर के 4 राज्यों की 1,643 किमी लंबी सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने के प्रोजेक्ट का विरोध शुरू हो गया है। इसी कारण 4 में से 3 राज्यों में अभी काम भी शुरू नहीं हो पाया है। वहीं, चौथे राज्य मणिपुर में अब तक 37 किमी ही बाड़ लग पाई है। नगालैंड, मिजोरम में तो स्थानीय संगठन खुलकर विरोध में उतर आए हैं। नगाओं के सबसे बड़े संगठन यूनाइटेड नगा कार्उसिल ने स्थानीय लोगों को कह दिया है कि यदि उन्होंने इस प्रोजेक्ट में काम किया, तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। पिछले साल भी संगठनों ने लोगों को प्रोजेक्ट का विरोध करने को कहा था, लेकिन तब काम करने पर पाबंदी नहीं लगाई थी।

मालदीव में भारत की नई चाल से चीन खा जाएगा मात

हिंद महासागर में ड्रैगन की बढ़ेगी मुश्किल, जबर्दस्त है प्लान

माले (एजेंसी)। हिंद महासागर में स्थित अपने पड़ोसी मालदीव में चीन की चालबाजी को मात देने के लिए भारत बेहद ही सधी हुई चाल चल रहा है। फरवरी की शुरुआत में जारी अपने नए बजट में मालदीव के लिए अपनी वित्तीय मदद में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। विशेषज्ञों ने इसे क्षेत्र में चीन के प्रभाव को पीछे छोड़ने की दिशा में अहम प्रयास बताया है। 1 फरवरी को जारी

भारत के 2025 के राष्ट्रीय बजट में मालदीव को 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल के 470 करोड़ से काफी ज्यादा है। यह अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि, भारत ने पिछले साल के अपने बजट में शुरुआत में मालदीव के लिए 600 करोड़ रुपये निर्धारित किए थे, लेकिन मालदीव के मंत्रियों की पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों ने कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया। इसके बाद भारत ने वित्तीय सहायता राशि को घटाकर 470 करोड़ रुपये कर दिया था। नवम्बर 2023 में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के साथ ही मालदीव के संबंध भारत से खराब होने शुरू हो गए थे। चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू ने चुनाव के पहले इंडिया आउट अभियान चलाया था। मुइज्जू ने भारतीय सैन्य अधिकारियों का विरोध किया।

अमरीका ने 16 सालों में 15,652 भारतीयों को वापस भेजा

जयशंकर बोले-यूएस से भारतीयों की बेदखली पहली बार नहीं

कांग्रेस का आरोप-नागरिकों से आतंकवादियों जैसा बर्ताव किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से अवैध अप्रवासी भारतीयों के मुद्दे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को संसद में जवाब दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा, यदि कोई नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहा है तो उसे वापस (स्वदेश) बुलाना सभी देशों का दायित्व है। विदेश मंत्री ने बताया, अमेरिका से भारतीयों का डिपोर्टेशन पहली बार नहीं हुआ है। यह 2009 से हो रहा है। पिछले 16 सालों में अमेरिका से 15,652 भारतीयों को वापस भेजा गया है। सबसे ज्यादा 2019 में 2042 लोगों भारत डिपोर्ट किया गया। हम कभी भी

अवैध मूवमेंट के पक्ष में नहीं हैं। इससे किसी भी देश की सुरक्षा में खतरा पैदा हो सकता है। अमेरिका ने 104 अवैध अप्रवासी भारतीयों को एक दिन पहले 5 जनवरी को भारत भेज दिया। इन्हें स मिलिट्री का सी-17 प्लेन से पंजाब के अमृतसर भेजा गया। इन लोगों के पैर में चेन बांधी गई थी, जबकि हाथ भी बेड़ियों में जकड़े हुए थे। अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल चीफ माइकल बैंक ने अपने एक्स हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया है। इसके बाद विपक्ष ने संसद के दोनों में हंगामा और संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी पार्टियों के कई सारे सांसदों ने अमेरिका में अवैध तरीके से भारतीयों को वापस भेजने के तरीके पर सवाल खड़े किए। बुधवार को एक अमेरिका का सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर पहुंचा। निर्वासित लोगों ने दावा किया कि उनके हाथ और पैरों में हथकड़ी लगी थी।

राहुल बोले-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटर्स लिस्ट में फर्जीवाड़ा हुआ

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जी तरीके से वोटर्स जोड़े जाने का आरोप लगाया है। राहुल ने दिल्ली में शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत और NCP-SP सांसद सुप्रिया सुले के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी हुई। वोटर लिस्ट में नए मतदाता जोड़े गए, ताकि भाजपा की जीत हो सके। राहुल ने इलेक्शन कमीशन से वोटर्स का डेटा मांगा है।

इसे लेकर चुनाव आयोग ने X पोस्ट में कहा कि ECI के लिए मतदाता सबसे पहले आते हैं, इसके बाद सभी पॉलिटिकल पार्टियां चुनाव की प्रमुख स्टेकहोल्डर हैं।

इलेक्शन कमीशन पार्टियों के विचारों, सुझावों और सवालों को गहराई से महत्व देता है। कमीशन पूरे देश में समान रूप से अपनाई गई चुनावी प्रक्रियाओं की जानकारी लिखित रूप में पूरे तथ्यों के साथ देगा।

राहुल ने X पोस्ट में इलेक्शन कमीशन पर आरोप लगाए

राहुल ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के लिए पांच साल में महाराष्ट्र में 32 लाख वोटर्स जोड़े गए, जबकि इसके पांच महीने बाद विधानसभा चुनाव के लिए 39 लाख वोटर्स को जोड़ा गया।

उन्होंने चुनाव आयोग से पूछा कि पांच महीने में पांच साल से ज्यादा वोटर्स कैसे जोड़े गए?

विधानसभा चुनाव में राज्य की कुल वयस्क आबादी से ज्यादा रजिस्टर्ड वोटर्स कैसे थे?

राहुल ने कहा कि इसका एक उदाहरण कामठी विधानसभा है, जहां भाजपा की जीत का अंतर लगभग उतना ही है जितने नए वोटर्स जोड़े गए।

इलेक्शन कमीशन को इन सवालों का जवाब देना होगा और हमें हमें महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के वोटर्स का डेटा मुहैया कराना चाहिए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल बोले- हमने

EC से वोटर्स के नाम-पते, तस्वीरें मांगीं

राहुल ने कहा- लोकसभा से पहले 32 लाख और विधानसभा से पहले 39 लाख वोट जोड़े गए। 5 महीने के भीतर 7 लाख नए मतदाता जोड़े गए हैं। हमने इलेक्शन कमीशन से कहा कि इसकी जांच करें। हमने वोटर लिस्ट, नाम-पते मांगे हैं। हम चाहते हैं कि उनके फोटोग्राफ भी दिए जाए। लोकसभा और विधानसभा की वोटर लिस्ट हम चाहते हैं।

कई मतदाताओं के नाम काटे भी गए हैं। ये दलित, अल्पसंख्यक वोट हैं। मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं, लेकिन क्या कुछ गड़बड़ी है।

राहुल बोले- मैंने संसद में दिए अपने भाषण में भी यही बात उठाई थी। कहा था कि 5 साल में जितने वोटर जुड़े, उससे ज्यादा वोटर्स 5 महीने में जुड़ गए। हिमाचल की पॉपुलेशन वोटर लिस्ट में एड कर दी। एडल्ट पॉपुलेशन 9.54 करोड़ है। इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, 9.7 करोड़ मतदाता हैं।

फडणवीस ने कहा था- राहुल ने महाराष्ट्र का अपमान किया

इससे पहले राहुल ने 2 फरवरी को भी यह दावा किया था। इसे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य का अपमान बताया था। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र का अपमान करने के बजाय राहुल आत्मचिंतन करें! यह छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, महात्मा फुले और वीर सावरकर की धरती है। सिर्फ इसलिए कि आपकी पार्टी हार गई, आप जनता के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं।'

फडणवीस ने आगे कहा, 'अपनी हार पर चिंतन करने के बजाय, आप झूठे आरोप लगा रहे हैं। महाराष्ट्र की जनता आपको इसके लिए माफ नहीं करेगी। राहुल गांधी, माफी मांगें!'

महाराष्ट्र में 23 नवंबर 2024 को बनी थी महायुति सरकार

पिछले साल 23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे। महायुति को 230 सीटों पर जीत मिली थी। भाजपा ने 132, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 57 और NCP (अजित पवार) ने 41 सीटें जीतीं।

वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला महा विकास अघाड़ी (MVA) 46 सीटों पर सिमट गया। शिवसेना (उद्धव) 20, कांग्रेस 16 और NCP (शरद पवार) के हिस्से 10 सीटें आईं। 2 सीटें सपा ने जीती हैं। 10 सीटें अन्य के खाते में गईं।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग हुई थी। 2019 के मुकाबले इस बार 4% ज्यादा वोटिंग हुई। 2019 में 61.4% वोट पड़े थे। इस बार 65.11% वोटिंग हुई।

हरियाणा चुनाव के नतीजों पर भी कांग्रेस ने उठाया था सवाल

कांग्रेस ने अक्टूबर 2024 में हरियाणा चुनाव के नतीजों पर भी सवाल उठाया था। कांग्रेस ने EVM की गड़बड़ी का दावा करते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की थी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि 20 सीटों पर मतगणना के दौरान EVM में गड़बड़ी पाई गई। इन सीटों के उम्मीदवारों ने लिखित और मौखिक शिकायतें दर्ज कीं। इसके बाद पार्टी ने इनकी सूची चुनाव आयोग को भेजी।

खेड़ा ने कहा, यह अजीब है कि जिन मशीनों में 99% बैटरी चार्ज रही, उन्हीं सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार हारे हैं। वहीं, 60-70% बैटरी चार्ज वाली मशीन वे हैं जिन पर कांग्रेस उम्मीदवार जीते हैं। मतगणना के दिन कुछ मशीनें 99% और बाकी सामान्य मशीनें 60-70% चार्ज थीं। हमारी मांग है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील और सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

बिना डरे आतंकियों का करो खात्मा अमित शाह का सुरक्षाबलों को निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने आतंकवाद की फंडिंग में नशीले पदार्थों की भूमिका पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को नशीले पदार्थों के व्यापार से पैसा मिलता है। इस पर तुरंत और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मौजूद थे। गृह

मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, और इंटेलीजेंस ब्यूरो के निदेशक भी शामिल हुए। यह बैठक मंगलवार को शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक का ही अगला भाग थी, जिसमें थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी उपस्थित थे। यह लगातार दो बैठकें दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद हुईं। इस हमले में पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे शहीद हो गए थे जबकि उनकी पत्नी और एक रिश्तेदार घायल हो गए थे। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में निरंतर और समन्वित प्रयासों से आतंकवाद का ढांचा काफी कमजोर हुआ है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों से टेररिस्ट फंडिंग में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

सोशल मीडिया और सेल्फी की चाह में मौत से खेल रहे युवा

उच्च गुणवत्ता के कैमरे से लैस मोबाइल फोन अब मौत का सबब बन रहे हैं। बार-बार स्वयं की अच्छी तस्वीर लेने की लत कब बेलगाम भूख में तब्दील होती गई, इसका अहसास तब हो रहा है, जब सेल्फी लेते लोगों, खासकर युवाओं की जिंदगी दांव पर लग गई दिखती है। पिछले कुछ समय से युवा पीढ़ी में इसका नशा इस कदर हावी होता जा रहा है कि वे अपनी फिक्र करना भी जरूरी नहीं समझ रहे। नतीजतन,ऐसा करते हुए कोई झील में डूब जाता है, तो कोई पहाड़ से गिर जाता है या फिर रेलगाड़ी की चपेट में आ जाता है।

सेल्फी के प्रति इतनी दीवानगी की वजह समझने की आवश्यकता है। खुद की खास तस्वीर लेने के फेर में लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालने से नहीं हिचकिचा रहे, तो इसका अर्थ है कि वे ऐसी मानसिक अवस्था में हैं, जो यथार्थ से दूर है। गौरतलब है कि मंगलवार को महाराष्ट्र के ठाणे में दोस्तों के साथ सेल्फी ले रहा एक युवक यह देख नहीं सका कि कोयना एक्सप्रेस तेज रफ्तार से आ रही है। रेलगाड़ी की चपेट में आकर हुई इस युवक की मौत इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है।

सोशल मीडिया के इस दौर में सेल्फी लेने का चलन बेतहाशा बढ़ा है। खासकर युवा एक दिन में कई-कई बार सेल्फी लेते हैं और उसे सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर साझा करते हैं। यह प्रवृत्ति उनकी मन:स्थिति को दर्शाती है।

लंदन की नाटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी और तमिलनाडु के त्यागराज स्कूल आफ मैनेजमेंट के साझा अनुसंधान का निष्कर्ष है कि अगर किसी का दिन भर में तीन से ज्यादा सेल्फी लेने से मन नहीं भरता, तो उसे कोई विकार है।

यह लत अब घातक होती जा रही है, क्योंकि एक आकलन के मुताबिक सेल्फी लेते हुए सबसे ज्यादा मौत इस समय भारत में हो रही है। इसकी वजह सिर्फ स्मृतियों को संजोने तक सीमित नहीं हो सकती। दरअसल, लोग दूसरों से अलग दिखना चाहते हैं। मगर इस क्रम में अपनी जान गंवा देने तक की लापरवाही बरतने को कैसे उचित माना जा सकता है?

आज केजरीवाल जीते तब भी CM बनना मुश्किल; अपने गढ़ दिल्ली में हारे तो टूट सकती है AAP

अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर हैं। सुप्रीम कोर्ट से जमानत की शर्तों में ये भी शामिल है कि वे CM ऑफिस और दिल्ली सचिवालय नहीं जा सकते। किसी सार्वजनिक मामले से जुड़ी फाइल पर साइन नहीं कर सकते। ऐसा होता है तो बड़ी बेंच उनकी जमानत रद्द कर सकती है।

केजरीवाल ने चुनाव से पहले CM पद से इस्तीफा देते हुए कहा था, 'लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि-परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना।'

सीनियर जर्नलिस्ट दिलबर गोठी कहते हैं कि केजरीवाल जनता की अदालत में जीत भी गए, तो फिलहाल उनका CM बनना मुश्किल है।

2. केंद्र सरकार से टकराव बरकरार रहेगा

राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई कहते हैं कि केंद्र और दिल्ली सरकार में मनमुटाव बना रहेगा। केंद्र सरकार ने हाल ही में जो दिल्ली सर्विसेज एक्ट पास किया है। उससे दिल्ली सरकार के लिए मुश्किलें बनी रहेंगी।

इस कानून के मुताबिक दिल्ली के अफसरों के तबादले या कामकाज के लिए सिफारिश राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण करेगा। इसमें 3 मेंबर होते हैं...

1. दिल्ली के मुख्यमंत्री (अध्यक्ष)
2. दिल्ली के मुख्य सचिव
3. दिल्ली के गृह प्रधान सचिव

प्राधिकरण को सभी अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़े डिसीजन लेने का हक होता है, लेकिन आखिरी फैसला LG लेते हैं। यानी अगर LG को प्राधिकरण का कोई फैसला ठीक नहीं लगा, तो वे उसे बदलने के लिए वापस लौटा सकते हैं। फिर भी अगर प्राधिकरण इसमें चेंज नहीं करता है, तो लास्ट डिसीजन LG का ही होता है। इससे टकराव बढ़ेगा।

3. AAP सरकार के सामने चुनावी वादे पूरे करना चुनौती

राजनीतिक विश्लेषक दिलबर गोठी कहते हैं, 'जीतने पर आप सरकार को महिला सम्मान योजना के तहत 2,100 रुपए प्रतिमाह देना होगा। मोटा-मोटा कैलकुलेशन भी किया जाए तो यह बजट का 15% होगा। इसके बाद केजरीवाल ने बुजुर्गों को संजीवनी योजना के तहत फ्री इलाज का वादा किया है। इसके लिए पैसा कहां से आएगा? ये वादे निभाना सबसे बड़ी चुनौती होगी।'

4. आप मजबूत राष्ट्रीय पार्टी होगी और केजरीवाल PM मैटीरियल

रशीद किदवई कहते हैं कि आम आदमी पार्टी जीत जाती है तो उसका राष्ट्रीय कद बढ़ जाएगा। विपक्ष की राजनीति में ये एक भूचाल ला देगा। इंडिया गठबंधन में आप की पूछ बढ़ेगी। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के बाद आप ही ऐसी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार होगी।

इंडिया गठबंधन के कई सदस्य कांग्रेस से दूरी बनाना चाहते हैं, लेकिन कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में आप विकल्प बन सकती है। इसी जीत के बाद गुजरात में आप, कांग्रेस को तीसरे नंबर पर धकेल सकती है। वहीं पंजाब में वापसी कर सकती है।

अनिल आगे कहते हैं कि दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल की खूब घेराबंदी हुई। अगर वो इस चक्रव्यूह को तोड़ देते हैं, तो विपक्ष का बड़ा चेहरा बनेंगे। इंडिया गठबंधन के कई सदस्य कांग्रेस और राहुल गांधी से पीछा छुड़ाना चाहते हैं।

5. आप नेताओं पर दर्ज हुए केसों पर नरमी के संकेत नहीं

रशीद किदवई कहते हैं कि पश्चिम बंगाल में कई घोटालों में सरकार के मंत्री और TMC नेता शामिल थे। चुनाव के बाद मामला ठंडा पड़ा। यही हाल झारखंड और जम्मू-कश्मीर में देख रहे हैं। नतीजों के बाद राजनीति में ऐसे मामले दब जाते हैं।

हालांकि, दिलबर गोठी कहते हैं कि शराब नीति घोटाले में जो केस हुए हैं वो चलते रहेंगे। 31 जनवरी को दिल्ली के द्वारका में मोदी ने कहा था कि कि चुनाव के बाद आप के भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार होगा। अगर ऐसा होता है तो केंद्रीय जांच एजेंसियां आप नेताओं की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं, क्योंकि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन सहित कई नेता घोटाले के आरोपी हैं।

अपने गढ़ दिल्ली में हारी, तो बिखर जाएगी आम आदमी पार्टी

राजनीतिक विश्लेषक दिलबर गोठी कहते हैं कि आम आदमी पार्टी का जन्म दिल्ली से हुआ है। उसका हेडक्वार्टर भी दिल्ली में है। केजरीवाल ने 2013 में 28 सीटों के साथ दिल्ली की राजनीति शुरू की थी। इसके बाद 2015 में आप ने 70 में से 67 सीटें जीतीं और 2020 में सीटों की संख्या 62 रही।

आप एक आंदोलन से निकली हुई पार्टी है। अगर इसे दिल्ली में डैमेज हुआ तो यह बिखर जाएगी। इससे जुड़े लोग पेशेवर राजनीतिज्ञ नहीं हैं। जो भी जुड़े हैं वो इसकी आइडियालॉजी से जुड़े हैं। ऐसे में बुद्धिजीवी लोग इस पार्टी को छोड़ जाएंगे।

हाल ही में 10 मौजूदा विधायकों ने आप छोड़कर BJP ज्वाइन की है। ऐसे में जो लोग दूसरी पार्टियों से आए थे वो भी अपनी मूल पार्टी में लौट सकते हैं। पार्टी में दो या तीन धड़े भी बन सकते हैं।

2022 में आप ने पंजाब का विधानसभा चुनाव जीता था। वहीं गुजरात में कई जगह पर नंबर दो पार्टी के रूप पहचान बनाई थी। अगर दिल्ली में आप हारी तो दो साल बाद पंजाब में, गुजरात में होने वाले चुनाव में पार्टी का बुरा हश्र हो सकता है।

अन्ना आंदोलन से लेकर आप के बनने तक अरविंद केजरीवाल केंद्र में रहे हैं। पार्टी में उनकी ही चली है। जिस किसी ने केजरीवाल का विरोध किया उसे पार्टी से बाहर होना पड़ा है। अगर दिल्ली अपने गढ़ में चुनाव हार जाती है तो हार का ठीकरा उनके सिर ही फूटेगा।

रशीद किदवई कहते हैं कि शराब घोटाले में जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने 15 सितंबर को इस्तीफा देते हुए कहा था कि मैं तब CM की कुर्सी पर जब बैठूंगा जब तक जनता अपना निर्णय न सुना दे।

अगर केजरीवाल हार जाते हैं तो ये साबित हो जाएगा कि जनता ने उन्हें बेईमान मानकर खारिज कर दिया है। उनका राजनीतिक भविष्य खतरे में आ जाएगा। पार्टी में दबी जबान से उनके खिलाफ बोलने वाले नेता खुलकर बोलेंगे।

AAP को खत्म करने में जुट जाएगी BJP

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि आम आदमी पार्टी की BJP, कांग्रेस, समाजवादी या कम्युनिस्ट पार्टी की तरह कोई एक विचारधारा नहीं है। उसका गठन सत्ता के लिए हुआ था। पार्टी को एकजुट रहने के लिए सत्ता में रहना जरूरी है।

आप जिस तरह की राजनीति करती है, उससे BJP असहज महसूस करती है। ऐसे में उसे खत्म करने के लिए BJP पूरा जोर लगा देगी। चाहे उसके नेताओं को जेल भेजना हो या पार्टी में भगदड़ मचा देना।

AAP पंजाब बचाने में जुटेगी और गुजरात पर फोकस बढ़ाएगी

दिलबर गोठी कहते हैं कि आप हार जाती है तो सबसे पहले अपने दूसरे गढ़ पंजाब को बचाने में जुट जाएगी। दिल्ली हारने से पंजाब के आप नेता हतोत्साहित होंगे। भले ही वहां BJP की दो सीटें हैं, लेकिन इतिहास बताता है कि BJP 2 को 20 में बदल सकती है। पहले भी उसने मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में ऐसा किया है।

चूंकि केजरीवाल की लीडरशिप में पार्टी चुनाव हारी है तो हो सकता है कि पार्टी का संयोजक यानी अध्यक्ष बदला जाए। हो सकता है कि केजरीवाल की मर्जी से मनीष सिसोदिया जैसे काम करने वाले नेता या संजय सिंह या सौरभ भारद्वाज जैसे मुखर नेता को संयोजक बनाया जाए।

पंजाब के बाद आप की लीडरशिप के सामने गुजरात में विश्वास जमाए रखना बड़ा चैलेंज होगा। वहां पार्टी बढ़ रही है। गुजरात विधानसभा चुनाव में आप को 5 सीटें मिली थीं। वह 35 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही थी। हो सकता है कि गुजरात में केजरीवाल और अन्य सीनियर नेता लगातार विजिट करते रहें।

अवैध प्रवास

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

रोजगार के उचित व अधिक अवसर पैदा करने जरूरी

अमेरिका से निर्वासित किए गए 104 भारतीय घर लौट चुके हैं। इनके संबध में बताया गया है कि ये लोग भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे, किन्तु इन्होंने डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश की थी। अमेरिका द्वारा जारी की गई सूची में 205 भारतीयों के नाम शामिल थे। बाकी भारतीय कब भारत पहुंचेंगे, इस पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता। अमेरिका से भारत पहुंचे भारतीयों में हरियाणा के युवाओं में सर्वाधिक 11 कैथल और 7 करनाल से हैं। वहीं अमेरिका द्वारा जारी की गई सूची को देखेंगे तो यह संख्या और बढ़ जाती है। दरअसल यह कोई नई बात नहीं है। 2008 के बाद अमेरिका से निकाले गए भारतीयों की संख्या क्रमशः 2009 में 734, 2010 में 799, 2011में 597, 2012 में 530, 2013 में 515, 2014 में 591, 2015 में 708, 2016 में 1303, 2017 में 1024, 2018 में 1180, 2019 में 2042, 2020 में 1889, 2021 में 805, 2022 में 862, 2023 में 617 और 2024 में 1368 रही है। यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन के डाटा के अनुसार 95000 से अधिक भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसपैठ करते हुए पकड़े गए हैं। कनाडा और मैक्सिको बार्डर से अधिक हो रही यह घुसपैठ पिछले कुछ सालों में चार से पांच गुणा बढ़ी है। इस दौरान विभिन्न कारणों से बहुत युवा जान से भी हाथ धो बैठे हैं। ऐसे में जब इनके परिवारों तक यह सूचना पहुंचती है तो उन पर वज्रपात होता है। फिर सरकार से शव मंगाने के लिए गुहार लगानी पड़ती है। आपके लिए यह जानना भी कम दिलचस्प नहीं होगा कि हरियाणा के कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, जींद, पानीपत, यमुनानगर जैसे जिलों से हजारों युवा विदेशों में जा चुके हैं। गांव के गांव खाली हो चुके हैं और कई घरों में अब केवल बुजुर्ग शेष बचे हैं जो घरों की रखवाली करते प्रतीत होते हैं। करनाल जिले के चिड़ावा ब्लॉक के गांव घोघड़ीपुर गांव के लगभग 1200 युवा विदेश चले गए हैं। जहां के घरों की छतों पर विशालकाय मूर्तियां दूर से दिख जाती हैं। जो शायद यहां के बाशिंदों की उन विदेशी उड़ानों की ओर संकेत करती है, जो कि खतरनाक डंकी रूट्स लेकर सात समंदर पार जाते हैं। इनमें ज्यादा तादाद अमेरिका जाने वालों की है। कुछ न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी हैं।ऐसा ही जींद के दुड़ाना गांव में दिखने को मिल रहा है, जिसकी कुल आबादी में लगभग 30 प्रतिशत सिख परिवार हैं। गांव के 18 से 45 साल के 300 से ज्यादा युवक-युवतियां रोजगार पाने के लिए विदेशों में चले गए हैं।

नतीजतन गांव के बड़े-बड़े मकान खाली से दिखने लगे हैं। गांव के अधिकतर युवा कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और इंग्लैंड आदि देशों में रहने लगे हैं। गांव के बड़े-बुजुर्ग विदेशों से अपने बेटा-बेटी के आने के इंतजार में जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि युवक-युवती विदेशों से अपने घर पैसे भी खूब भेज रहे हैं, लेकिन वह वापस आने के लिए तैयार नहीं है। भारत में पहले गुजरात फिर पंजाब और अब हरियाणा के युवाओं में विदेश जाने की भावना बहुत प्रबल हो गयी है। सब ओर माता-पिता में बच्चों को विदेश भेजने और युवाओं में विदेश जाने की धुन छाई है। इस सम्बन्ध में जब हम बात करते हैं तो विदेश जाने के लिए केवल रोजगार ही एक मुख्य कारण बताया जाता है। जिसे जानकर गलत तो नहीं ही कहा जा सकता किन्तु यह बिल्कुल सही भी नहीं है। अगर आप धैर्य से इस बारे में विचार करेंगे तो पायेंगे कि यह सारी जद्दोजहद केवल रोजगार के लिए न होकर अधिक पैसों के लिए है। माता-पिता अपनी जमीन-संपत्ति बेचकर या कर्ज लेकर अपनी औलाद को विदेश भेजने के सारे खर्च का प्रबंधन करते हैं ताकि अधिकाधिक धन अर्जित किया जा सके। हालाँकि हरियाणा सरकार ने विदेश में रोजगार के लिए जाने के इच्छुक युवाओं को कबूतरबाजों के चंगुल से बचाने की जिम्मेदारी हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) को सौंपी है। इस काम में विदेश सहयोग विभाग उसकी मदद करेगा। कॉलेजों में अभी तक करीब 30 हजार छात्र-छात्राओं के निशुल्क पासपोर्ट भी बनाए गए हैं। किन्तु यह पर्याप्त जान नहीं पड़ता। अब समय आ गया है कि हमें गांव, प्रदेश और देश की स्थितियों और संसाधनों के दृष्टिगत विचार करना होगा और इस प्रकार की समस्याओं का समाधान तलाशना होगा। अब आवश्यता है कि जिस युवा शक्ति का हवाला हम पूरी दुनिया को देते हैं, उसके लिए अनुकूल, उसके सपनों के वातावरण का निर्माण करना होगा। रोजगार के उचित और अधिक अवसर पैदा करने होंगे ताकि युवा शक्ति सम्मान से अपने वतन में खुशहाल जीवन व्यतीत कर सके।

(लेखक शिक्षाविद् व रचनाकर्मी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

समय के साथ 'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

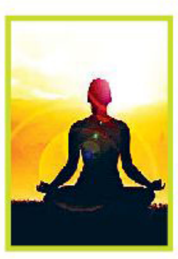

संकलित
दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

अपनी गठरी टटोलें

संकलित
प्रेरणा

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहाः भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहाः नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोलाः महोदय मैं एक नामी ठग हूँ परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरा यात्री बोलाः कैसे? पहला यात्रीः कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्रीः मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोलाः तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्रीः मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली सँभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहाँ से! ईश्वर नित नई खुशियाँ हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाख बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। अपनी गठरी टटोलें!

अंतर्मन

आज की पाती

चीन से मुकाबले के लिए ठोस रणनीति जरूरी

हमें यह भी समझना होगा कि आखिर क्यों चीन आर्थिक स्थिति में हमसे मजबूत है? जबकि सन 1990 तक हमारा देश और चीन विकास के मामले में लगभग एक धरातल पर खड़े थे, लेकिन उसके बाद चीन आगे क्यों बढ़ता गया और हमारा देश इससे पिछड़ता गया। अब दोनों की अर्थव्यवस्थाओं में एक खाई क्यों पट चुकी है? इसका कारण यह है कि हमारा देश जातिवाद, धर्म के नाम पर आरक्षण के दलदल में धंसता गया, मुफ्तखोरी और रेवड़ी संस्कृति हमारे देश में फलने फूलने लगी, कृषि प्रधान होने के बावजूद देश में लोगों की रुचि कृषि से घटती गई, नागरिकों की भी रुचि चाईना के सामान की तरफ बढ़ती गई और सरकारों की गलत नीतियों के कारण चीन का व्यापार हमारे देश में मजबूत होता चला गया।

- संकेत देशमुख, दुर्ग

ट्रेंड

कामेश्वर का निधन दुःखद

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के स्थायी सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता कामेश्वर चौपाल का निधन दुःखद है। प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। ॐ शांति।

-अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष

देश का स्वाभिमान

महिलाओं व बच्चों सहित गुजरात, पंजाब व हरियाणा आदि राज्यों के 104 भारतीयों को हथकड़ी व पांव में बेड़ी डालकर अमानवीय तरीके से अमेरिका द्वारा सैन्य विमान से वापस भेजे गए भारतीयों का मामला अति-दुखद तथा देश के स्वाभिमान से जुड़ा व ठेस पहुँचाने वाला अति-चिन्तनीय।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

वोटों का सारा ब्यौरा

कई अनुरोधों के बावजूद चुनाव आयोग ने फॉर्म 17सी और प्रत्येक विधानसभा में प्रति बूथ डाले गए वोटों की संख्या अपलोड करने से इनकार कर दिया है। 'आप' ने एक वेबसाइट बनाई है, जहां वोटों का सारा ब्यौरा है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

अग्नि निरीक्षण व सर्वेक्षण

हम फिर से शासन-प्रशासन को जगाते हुए माँग करेंगे कि 'अग्नि निरीक्षण और सर्वेक्षण' कराया जाए। ये एक अति गंभीर मामला है और लोगों की जिंदगी का सवाल भी है। -अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

यूएनआरडब्ल्यूए के अस्तित्व को खतरा

फलस्तीनी शरणार्थियों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के प्रमुख ने कहा है कि इजराइली प्रतिबंध से एजेंसी के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा है लेकिन दीर्घावधि में इसके 'अस्तित्व को खतरा' है। संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के महाआयुक्त फिलिप लाजारिनी ने बेरूत की यात्रा के दौरान कहा, 'मेरा स्पष्ट रूप से मानना है कि एजेंसी के सामने आने वाली सभी बाधाओं और दबाव के बावजूद, हमारा उद्देश्य तब तक काम करते रहना है जब तक हमें रोका नहीं जाता।' पिछले सप्ताह इजराइल ने औपचारिक रूप से यूएनआरडब्ल्यूए पर अपने क्षेत्र में काम करने से रोक लगा दी थी। लाजारिनी ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों को पूर्वी यरुशलम छोड़ना पड़ा क्योंकि उनके वीजा की अवधि समाप्त हो गई थी, लेकिन गाजा और वेस्ट बैंक में संचालन पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि पूर्वी यरूशलम में भी यूएनआरडब्ल्यूए द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य और अन्य सेवाएं 'जारी हैं, हालांकि जरूरी नहीं कि उनका दायरा पहले जैसा हो।'

ऑफ बीट

क्या है बोटुलिज्म? कैसे बोटोक्स से जुड़ी हुई है

बोटोक्स या बोटुलिनम टॉक्सिन, 'क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिन' नाम के जीवाणु द्वारा उत्पादित 'टॉक्सिन' से बनी दवा है। बोटोक्स टॉक्सिन एक 'न्यूरोटॉक्सिन' है, जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में कोशिकाओं के कामकाज में बाधा पैदा करता है। विशेष रूप से, यह 'न्यूरोटॉक्सिन' आपके तंत्रिकाओं द्वारा आपकी मांसपेशियों को भेजे जाने वाले संदेशों को अवरुद्ध करता है, जो उनके सिकुड़ने का कारण बनता है। इस तरह यह अस्थायी रूप से झुर्रियों को कम कर सकता है। बोटोक्स को अक्सर कॉस्मेटिक अनुप्रयोगों के लिए जाना जाता है और इसका उपयोग कुछ चिकित्सा स्थितियों, जैसे कि पुराने माइग्रेन और मांसपेशियों में ऐंठन के उपचार में भी किया जा सकता है। 'बोटोक्स इंजेक्शन' में बहुत कम सांद्रता वाले टॉक्सिन का उपयोग किया जाता है। इसके दुष्प्रभाव (जैसे इंजेक्शन वाली जगह पर अस्थायी दर्द और सूजन) की संभावना के बावजूद लाइसेंस प्राप्त स्वास्थ्य चिकित्सकों की निगरानी में बोटोक्स को आम तौर पर सुरक्षित माना जाता है। बोटुलिज्म भी बैक्टीरिया सी. बोटुलिनम द्वारा उत्पादित टॉक्सिन के कारण होता है। बोटोक्स इंजेक्शन से जुड़े बोटुलिज्म के मामलों के लिए अतीत में नकली उत्पाद या इसके गलत तरीके से इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया गया है।

रॉयल पत्रिका

जयपुर में जेडीए ने तीन योजनाओं में कमाए 15.23 करोड़

-शहर की गोविंद विहार योजना में सबसे ज्यादा और पटेल नगर में सबसे कम आवेदन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 4 साल बाद निकल गई तीन आवासीय योजनाओं में शहरवासी लगातार आवेदन कर रहे है। गोविंद विहार अटल विहार और पटेल नगर योजना के लिए अब तक 1 लाख 52 हजार 319 लोगों ने आवेदन किया है। जिससे जयपुर विकास प्राधिकरण को 15 करोड़ 23 लाख रुपए से ज्यादा के राजस्व का फायदा हुआ है। हालांकि जयपुर में घर के लिए रिंग रोड के प्रोजेक्ट सबसे पसंदीदा बने हुए हैं। गोविंद विहार, अटल विहार और पटेल नगर योजना में से तुलना करें तो गोविंदपुरा रोपाड़ा के पास बसाई जाने वाली गोविंद विहार योजना को लेकर लोग में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

गोविंद विहार में सबसे ज्यादा आवेदन:- जेडीए के जोन-10 गोविंदपुरा रोपाड़ा (रिंग रोड के नजदीक) बसाई जा रही गोविंद विहार योजना में पिछले 43 दिन (25 दिसंबर से 5 फरवरी तक) कुल 80 हजार 723 से ज्यादा लोगों ने आवेदन कर दिया। इनमें ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में 32,046, एलआईजी कैटेगरी में 27,348, एमआईजी-बी कैटेगरी में 12,009 और एचआईजी कैटेगरी में 8383 आवेदन आए हैं। बता दें की गोविन्द विहार योजना में जेडीए ईडब्ल्यूएस (34), एलआईजी (55), एमआईजी 'बी' (48) और एचआईजी (65) के कुल 202 प्लाट आवंटित करेगा। गोविंद विहार योजना के लिए जेडीए ने आरक्षित दर 18 हजार रुपए निर्धारित की है। इस योजना से खातीपुरा स्टेशन की दूरी करीब 4 किलोमीटर है। जबकि मेन आगरा रोड पर बगराना (रिंग रोड स्टार्टिंग पॉइंट) से करीब 6.5 किलोमीटर दूर है। इस योजना से कुछ दूरी पर ही नई हेरिटेज सिटी बसाई जा रही है। गोविंद विहार आवासीय योजना के लिए जहां 7 फरवरी तक आवेदन किए जा सकते है। वहीं लॉटरी 20 फरवरी को निकाली जाएगी।

14 फरवरी को निकलेगी लॉटरी:- इसके साथ ही कालवाड़ - जोबनेर रोड पर सुशांत सिटी के पास बसाई जा रही जेडीए की योजना अटल विहार योजना जेडीए ने 18 दिसंबर से आवेदन मांगने शुरू किए थे। इसके लिए अब तक 52 हजार 428 आवेदन आ चुके हैं। इनमें ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में 17,246, एलआईजी कैटेगरी में 16,226, एमआईजी-बी कैटेगरी में 6,895 और एचआईजी कैटेगरी में 3765 आवेदन आए हैं। जेडीए इस योजना में ईडब्ल्यूएस (43), एलआईजी (99), एमआईजी 'अ' (11), एमआईजी 'बी' (96) और एचआईजी (35) के कुल 284 प्लॉट आवंटित करेगा। जिसके लिए आरक्षित दर 14 हजार रुपए निर्धारित की गई है। अटल विहार आवासीय योजना के लिए 7 फरवरी आवेदन किए जा सकते है। जबकि 14 फरवरी को योजना की लॉटरी निकाली जाएगी।

पटेल नगर में सबसे कम आवेदन:- जेडीए ने अपनी तीसरी आवासीय योजना पटेल नगर के नाम से लॉन्च की है। इस योजना में 270 भूखंड आवंटित किए जाएंगे। जिनके लिए 13 जनवरी से 5 फरवरी तक कुल 17 हजार 911 इस लोगों ने आवेदन किया है। हालांकि, इस योजना में केवल दो ही कैटेगरी के भूखंड आवंटन के लिए रखे गए हैं। ऐसे में इनमें एमआईजी-ए कैटेगरी में 11,960 जबकि एमआईजी-बी कैटेगरी में 5,951 आवेदकों ने आवेदन किया है। इस योजना की आवासीय आरक्षित दर 18 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है।

एमआईजी केटेगरी के ही कर सकेंगे आवेदन:-
आगरा रोड पर बन रही हेरिटेज सिटी के पास बसाई जा रही ये योजना रिंग रोड के बिल्कुल नजदीक है। आगरा रोड पर बगराना से 2.7 किलोमीटर दूर जोन-10 में खोरी-रोपाडा स्थित इस योजना में आवेदन की आखिरी तारीख 13 फरवरी है, जबकि आवेदनों की लॉटरी 24 फरवरी को निकाली जाएगी। इस योजना में जेडीए ने 76 से 120 वर्गमीटर साइज (एमआईजी 'अ') के 138 भूखंड है, जो आवासीय आरक्षित दर 18 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटित किए जाएंगे। वहीं 121 से 220 वर्गमीटर साइज (एमआईजी 'ब') के 132 भूखंड आवासीय आरक्षित दर का 105 फीसदी यानी 18,900 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से आवंटित किए जाएंगे।

जेडीए ने कमाए 15 करोड़ 23 लाख:- जेडीए ने इन दोनों ही योजनाओं में आवेदन शुल्क 1 हजार रुपए (नॉन रिफंडेबल) निर्धारित किया है। ऐसे में अब तक हुए आवेदनों से जयपुर विकास प्राधिकरण हो 15 करोड़ 23 लाख रुपए से ज्यादा राजस्व हासिल हुए है। जबकि इससे पहले साल 2012 तक आवासीय योजना के लिए आवेदन शुल्क 300 रुपए था, जिसे साल 2012 के बाद बढ़ाकर 500 रुपए किया था। योजना के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन ही किए जा रहे हैं। इसके लिए जेडीए की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं अथवा ई-मित्र पर जाकर भी आवेदन किया जा सकता है।

पत्रकारिता-विवि के एसोसिएट-प्रोफेसर पर धोखाधड़ी से नौकरी लगने का आरोप

-सरकार के आदेश पर कार्रवाई हुई, रजिस्ट्रार ने सस्पेंड किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। धोखाधड़ी से नौकरी लगने के मामले में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार लोढ़ा को सस्पेंड कर दिया है। रजिस्ट्रार भंवरलाल मेहरड़ा की ओर से जारी आदेश के अनुसार इस दौरान उनका मुख्यालय कुलसचिव कार्यालय रहेगा। विश्वविद्यालय ने डॉ. लोढ़ा को सस्पेंड करने की कार्रवाई सरकार की ओर से दिए गए आदेश की पालना में की है।

नियमों के अनुसार नहीं था अनुभव:- बता दें कि मामला मुख्यमंत्री कार्यालय के संज्ञान में आने के बाद उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. हरिशंकर मेवाड़ा ने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर डॉ. लोढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। डॉ. लोढ़ा की नियुक्ति 2013 में हुई थी। उन्होंने आवेदन में 4 साल 8 माह का शिक्षण अनुभव बताया, जबकि यूजीसी नियमों के अनुसार यह 8 साल होना चाहिए। लोढ़ा ने 2003 में अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक छात्र को पीएचडी कराने का दावा किया, लेकिन उनकी खुद 2006 में पीएचडी की शिकायत मिलने पर तत्कालीन वीसी ओम थानवी के कार्यकाल में हुई प्रारंभिक जांच में लोढ़ा को दोषी पाया गया। दूसरे विश्वविद्यालयों के 3 प्रोफेसरों की कमेटी व प्रबंध बोर्ड के 2 सदस्यों की कमेटी ने भी नियुक्ति को गलत माना ।

FIR के लिए मांगा विभाग से मार्गदर्शन:- उच्च शिक्षा विभाग ने डॉ. लोढ़ा को सस्पेंड कर अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ उनके खिलाफ एफआईआर विश्वविद्यालय ने ऐसा नहीं किया। रजिस्ट्रार दर्ज करवाने के लिए भी कहा था, लेकिन भंवर लाल मेहरड़ा ने बताया कि इसके लिए विभाग से मार्गदर्शन मांगा है। उन्होंने बताया कि प्रबंध बोर्ड की पिछली बैठक में इस प्रकरण की नए सिरे से जांच का निर्णय हुआ था इसलिए यह मार्गदर्शन मांगा गया है कि इस स्थिति में एफआईआर दर्ज करवाई जा सकती है या नहीं।

एसएमएस की इमरजेंसी विस्तार का काम थमा

-तोड़फोड़ में निकले स्क्रैप की नीलामी नहीं होने के कारण काम बंद

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में करीब महीने पहले शुरू हुआ इमरजेंसी के विस्तार का काम रूक गया। पिछले 10-15 दिन से काम बंद पड़ा है और उसके पीछे कारण वहां हुई तोड़फोड़ में निकला स्क्रैप (कबाड़ का सामान) की नीलामी न होना है। इस कारण न केवल काम बंद है बल्कि इससे प्रोजेक्ट की लागत के बढ़ने की आशंका है। एसएमएस की मैन बिल्डिंग में बनी इमरजेंसी के पास पिछले साल नवंबर में तोड़फोड़ करके इमरजेंसी के विस्तार के लिए बनाए प्रोजेक्ट का काम शुरू किया गया। इस प्रोजेक्ट पर करीब 12 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें 70 बैड की व्यवस्था की जाएगी। विस्तार के बाद इसी जगह पर जनरल और आईसीयू वार्ड बनाकर सेंट्रल लैब बनाने की योजना प्रस्तावित है। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के ब्लड सैंपल की जांच भी यहीं हो सके। लेकिन काम शुरू होने के दो महीने बाद ही ये बंद हो गया। इसके पीछे कारण यहां बनी दुकान और गुमटियों को तोड़ने के बाद निकला स्क्रैप है। इसे बेचने के लिए एसएमएस हॉस्पिटल प्रशासन ने टेंडर किया। टेंडर प्रक्रिया में देरी के चलते यहां फाउंडेशन भरने के बाद अब मौके पर काम बंद पड़ा है। इससे न केवल अब प्रोजेक्ट की लागत बढ़ने का अनुमान है और बल्कि प्रोजेक्ट के भी देरी से पूरा होने की आशंका है।

10 फरवरी को होगी नीलामी:- टेंडर करने वाले ऑफिशियल इंचार्ज डॉ. अनिल दुबे ने बताया- टेंडर कर दिए है और 10 फरवरी को नीलामी करके स्क्रैप का डिस्पोजल कर दिया जाएगा। प्रोजेक्ट का काम अभी आरएसआरडीसी के जरिए करवाया जा रहा है।

अभी जगह छोटी, 5 कैबिन, एक सीपीआर रूम और एक माइनर ओटी:- वर्तमान में इमरजेंसी में 5 कैबिन हैं, जिसमें एक साथ 10 मरीजों को बैड या स्ट्रेचर पर लैटाकर ट्रीटमेंट दिया जाता है। इसके अलावा सीपीआर रूम में भी एक समय में 2 मरीजों और छोटी माइनर ओटी में 2 मरीज और कैबिन के बाहर की जगह 4 मरीजों को ट्रॉली पर लेटाकर ट्रीटमेंट दिया जाता है।

जयपुर में सड़क हादसा: बस और कार की भिड़ंत में 7 की मौत, 6 से अधिक घायल

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर में एक भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 6 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना एक रोडवेज बस और एक निजी कार के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और एम्बुलेंस टीमों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि रोडवेज बस तेज गति से चल रही थी, जिसके कारण वह कार से टकरा गई। इस टक्कर का प्रभाव इतना भीषण था कि कार में सवार कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बस में सवार कुछ यात्री भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने मृतकों और घायलों की पहचान का पता लगाने का काम शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसे का कारण बस चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार हो सकती है। हालांकि, सटीक कारण का पता लगाने के लिए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने इस इलाके में अक्सर होने वाले हादसों के प्रति चिंता जताई है और प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। मृतकों के परिवारों को इस दुखद घटना पर गहरा सदमा पहुंचा है। घायलों के परिजन अस्पताल में उनके इलाज के लिए मौजूद हैं। पुलिस ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राजस्थान में आज शीतलहर का येलो अलर्ट

-बारिश के बाद 7 डिग्री तक गिरा तापमान
-सीकर, चूरू, झुंझुनूं, नागौर में और बढ़ेगी ठंड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में पिछले दिनों हुई बारिश से सर्दी बढ़ गई है। सीकर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, उदयपुर समेत कई शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। कल सबसे ज्यादा सर्दी सीकर के पास फतेहपुर में रही। मौसम विशेषज्ञों ने अगले 24 से 48 घंटे के दौरान सर्दी और बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, शेखावाटी (सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर) के एरिया में गुरुवार को कोल्ड-वेव चलने का भी येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में राजस्थान के सभी शहरों में आसमान साफ रहा।

दौसा, फतेहपुर, सीकर, चूरू, करौली, जालोर, सिरोही, हनुमानगढ़ समेत कुछ शहरों में कल न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा सर्दी कल फतेहपुर में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

शेखावाटी में ठिठुरन बढ़ी :- चूरू, सीकर, झुंझुनूं के अलावा जयपुर, अलवर, हनुमानगढ़ के एरिया में कल शाम होने के साथ ही हल्की सर्द हवा चलने लगी। इससे इन शहरों में ठिठुरन बढ़ गई। इन शहरों में बुधवार के दिन में भी हल्की सर्दी रही। जयपुर में बुधवार को अधिकतम तापमान 24.9, पिलानी (झुंझुनूं) में 24.7, सीकर में 23, हनुमानगढ़ में 22.6 और करौली में 23.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। बुधवार को सबसे अधिक तापमान बाड़मेर जिले में 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। डूंगरपुर में अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस, जालोर में 27.1, जैसलमेर-जोधपुर में 26.4, चित्तौड़गढ़ में 26.6, उदयपुर में 24.3, कोटा में 25.5 और अजमेर में 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

आज इन जिलों में कोल्ड-वेव का अलर्ट:- मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने गुरुवार को सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर जिलों में कोल्ड-वेव चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही, इन शहरों के अलावा अलवर, जयपुर, दौसा के एरिया में भी सुबह-शाम सर्द हवा चलने की संभावना जताई गई है। 9 फरवरी तक प्रदेश में मौसम ड्राय रहेगा और दिन में तेज धूप रहेगी। अगले 24 घंटे के दौरान शेखावाटी के एरिया में तापमान गिरने से सर्दी और बढ़ सकती है।

युवा कांग्रेस का फ्लॉप प्रदर्शन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। जयपुर में गुरुवार को राजस्थान युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित बेरोजगारी विरोधी प्रदर्शन बेहद फीका रहा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय से शुरू हुआ यह प्रदर्शन मात्र 20 मिनट में ही समाप्त हो गया। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया और कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की अनुपस्थिति विशेष रूप से चर्चा का विषय रही। भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने की योजना थी, लेकिन प्रदर्शनकारी संसारचंद्र रोड तक भी नहीं पहुंच पाए। प्रशासन ने संभावित हंगामे को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर रखा था। यह प्रदर्शन राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित किया गया था। राहुल गांधी ने लोकसभा में बुधवार को बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि यूपीए और एनडीए दोनों सरकारें रोजगार सृजन में विफल रही हैं। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' को विफल बताते हुए कहा कि जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2014 के 15.3 प्रतिशत से घटकर 12.6 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले 60 वर्षों का सबसे निचला स्तर है। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए एक नए विजन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

जयपुर SMS अस्पताल में दुर्लभ सर्जरी

-9 किलो का ट्यूमर निकालकर मरीज को दिया नया जीवन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह (SMS) अस्पताल में डॉक्टरों ने एक बड़ी मेडिकल उपलब्धि हासिल की। यहां के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पेट से 9 किलो का विशाल ट्यूमर निकालकर मरीज की जान बचाई। इस जटिल सर्जरी में करीब 5 घंटे का समय लगा, जिसमें डॉक्टरों की एक अनुभवी टीम ने हिस्सा लिया।

कैसे हुआ ट्यूमर का पता:- मरीज, 45 वर्षीय व्यक्ति, लंबे समय से पेट में दर्द, सूजन और भारीपन की समस्या झेल रहा था। जब SMS अस्पताल में जांच कराई गई, तो अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन में पेट में बड़ा ट्यूमर पाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, यह ट्यूमर धीरे-धीरे बढ़ते हुए इतना विशाल हो गया कि यह अन्य अंगों पर दबाव डालने लगा था, जिससे मरीज को काफी तकलीफ हो रही थी।

5 घंटे तक चली सर्जरी, कई चुनौतियां आईं सामने:- SMS अस्पताल के गैस्ट्रोसर्जरी विभाग के विशेषज्ञों ने इस सर्जरी को अंजाम दिया। ट्यूमर इतना बड़ा था कि इसे निकालते समय पेट के अन्य अंगों को भी सुरक्षित रखना एक चुनौती थी। डॉक्टरों की टीम ने सावधानीपूर्वक ऑपरेशन किया और सफलतापूर्वक ट्यूमर को हटा दिया।

मरीज की हालत स्थिर, ICU में रखी गई निगरानी:- सर्जरी के बाद मरीज को ICU में रखा गया, जहां डॉक्टर उसकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, ऑपरेशन सफल रहा है और मरीज की हालत अब स्थिर है। यदि आगे कोई जटिलता नहीं आई, तो उसे कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

विशेषज्ञों की राय: समय पर जांच जरूरी:- डॉक्टरों ने बताया कि पेट में किसी भी तरह की असामान्य सूजन, दर्द या अपच जैसी समस्याओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए। समय पर जांच और सही इलाज से गंभीर स्थितियों से बचा जा सकता है। SMS अस्पताल की इस उपलब्धि ने न केवल चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम जोड़ा है, बल्कि यह भी साबित किया कि जटिल से जटिल सर्जरी को जयपुर में ही उच्च स्तरीय विशेषज्ञता के साथ किया जा सकता है।

साइबर थानों द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह ने गुरूवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि साइबर थानों द्वारा रिपोर्ट दर्ज करने में किसी प्रकार की आनाकानी करने की शिकायत प्राप्त होने पर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ में 1 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर 2024 तक साइबर अपराध के 36 केस दर्ज हुए। इनमें से 10 मामलों में चालान पेश किये गए। 17 प्रकरणों में एफआर फाइल की गई तथा 9 मामलों में जांच जारी है। उन्होंने कहा कि कुल 2.70 करोड़ रुपये की ठगी के विरुद्ध 1.82 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। इससे पहले विधायक श्री चन्द्रभान सिंह चौहान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने विधान सभा क्षेत्र चित्तौडगढ में विगत 3 वर्ष (1 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर 2024 तक) में हुए साइबर अपराधों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य सरकार के 27 अप्रेल 2022 के आदेश क्रमांक एफ.27 (क) (1) गृह-2/2022 द्वारा जिला चित्तौडगढ़ में साइबर पुलिस थाना खोला गया है। साइबर थाने में साइबर प्रशिक्षित पुलिसकर्मी एवं प्राइवेट साइबर एक्सपर्ट्स के साथ समय-समय पर अभियान चलाया जाकर फ्रॉड की राशि रिकवर कर वापस दिलाई जा रही है एवं आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

राज्यपाल श्री बागडे दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले पहुंचे

-एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर और निदेशक श्री युवराज मलिक ने किया अभिनंदन
-राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तक—पाठक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों की सराहना की

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे गुरुवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में पहुंचे। उन्होंने वहां देशभर के प्रकाशकों की प्रदर्शित पुस्तकों के स्टॉलों का अवलोकन किया और अपनी पसंद की पुस्तकें भी खरीदी। उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा मेले में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को देखकर मुक्त कंठ से उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि पुस्तक पाठक सरोकारों की दृष्टि से विश्व पुस्तक मेले का आयोजन महती पहल है। विश्व पुस्तक मेले में पहुंचने पर राज्यपाल श्री बागडे का राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे और निदेशक कर्नल युवराज मलिक ने अभिनंदन किया। राज्यपाल को एनबीटी की ओर से भारतीय संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों और उनके वर्णन संबंधित स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया। राज्यपाल ने विश्व पुस्तक मेले में 'भारत: गणतंत्र @75' की थीम पर आधारित मंडप, भारतीय ज्ञान परम्परा और नई शिक्षा नीति, अंतरराष्ट्रीय मंडप में फोकस देश 'रूसी संघ' के मंडप 'रूस से आई पुस्तकें' भी देखी और भारतीय ज्ञान के आलोक में पुस्तक मेले के विस्तार के लिए एनबीटी के किए प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक श्री युवराज मलिक ने राज्यपाल को विश्व पुस्तक मेले में लेखकों से संवाद और बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने के प्रयासों के साथ पुस्तक संस्कृति के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों और न्यास द्वारा प्रकाशित सद्य पुस्तकों के बारे में जानकारी दी। निदेशक श्री मलिक ने राज्यपाल को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तकों का सेट भी भेंट किया।

बाड़मेर SDM के अभद्र व्यवहार के विरोध में डॉक्टर ने जताया विरोध

-कोटा में डॉक्टरों ने काले कपड़े पहनकर जताया विरोध, कार्य बहिष्कार की चेतावनी

कोटा(रॉयल पत्रिका)। कोटा जिले में सरकारी हॉस्पिटल में सेवारत चिकित्सक काली पट्टी बांधकर और काले कपड़े पहनकर बाड़मेर SDM की ओर से डॉक्टर के साथ किए अभद्र व्यवहार का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के सुल्तानपुर ब्लॉक पर भी डॉक्टर काले कपड़े और काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जता रहे है। सेवारत चिकित्सक संघ के प्रदेश महासचिव डॉक्टर दुर्गा शंकर सैनी ने बताया- शहर और ग्रामीण क्षेत्र के सभी चिकित्सक आज चौथे दिन भी विरोध कर रहे हैं। बाड़मेर के डॉक्टर रामस्वरूप के द्वारा लिखित में दी गई रिपोर्ट अभी तक दर्ज नहीं की गई है। जिससे कि सेवारत चिकित्सकों में रोष बढ़ रहा है। जनहित को ध्यान में रखते हुए सेवारत चिकित्सकों ने अभी तक कोई कठिन फैसला नहीं लिया है। ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानियां हो।

SDM पर कार्रवाई की मांग:- सरकार से मांग है सरकार हमारी धैर्य की परीक्षा न ले। बाड़मेर के सेड़वा के SDM बद्रीनारायण की ओर से जिस प्रकार अमर्यादित आचरण किया गया था। वह वीडियो के माध्यम से सभी लोगों के सामने आ चुका है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि एसडीएम के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए, और उन्हें निलंबित किया जाए। सेवारत चिकित्सकों का यह विरोध एसडीएम के निलंबन तक जारी रहेगा।

8 फरवरी को करेंगे कार्य बहिष्कार:- सेवारत चिकित्सक संघ के महासचिव (बीसीएमओ सुल्तानपुर) डॉक्टर राजेश सांभर ने बताया- SDM अधिकारी के द्वारा चिकित्सा से अभद्र व्यवहार किया गया, जिसका विरोध राज्य स्तरीय आह्वान के बाद आज चौथे दिन भी चिकित्सकों में देखा जा सकता है। शहर और ग्रामीण इलाके के चिकित्सक काली पट्टी बांध काले कपड़े पहनकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। 8 फरवरी को 2 घंटे का कार्य बहिष्कार किया जाएगा। सरकार SDM अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करती है तो सेवारत चिकित्सकों द्वारा आंदोलन और ज्यादा उग्र किया जाएगा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष के खिलाफ हुई नारेबाजी

-नवनियुक्त कार्यकारिणी को एंट्री नहीं मिली, बाहर ही किया स्वागत

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा के गुमानपुरा स्थित कांग्रेस कार्यालय में आज कोटा दक्षिण कांग्रेस ब्लॉक ए और बी के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस में नव नियुक्त कार्यकर्ताओं के स्वागत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी द्वारा कार्यालय की चाबी न सौंपने के कारण यह कार्यक्रम कार्यालय के बाहर ही करना पड़ा। कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त सदस्यों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस घटनाक्रम के चलते कोटा में कांग्रेस पार्टी दो गुटों में बंटी हुई नजर आई। एक ओर पार्टी के वरिष्ठ नेता जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर, युवा और महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उनके खिलाफ नाराजगी देखी गई। कार्यालय के बाहर ही बैनर पोस्टर लगाकर किया कांग्रेस**कार्यकर्ताओं के साथ भेदभाव का आरोप:-** अनुराग गौतम ने बताया कि हम कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भेदभाव किया जा रहा है, जिससे संगठन में असंतोष बढ़ रहा है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पहले से योजना बनाई गई थी कि नए कार्यकर्ताओं का स्वागत कांग्रेस कार्यालय में किया जाएगा, लेकिन हमें वहां अनुमति नहीं दी गई। इस फैसले से कार्यकर्ताओं में गहरा असंतोष फैल गया, और उन्होंने कार्यालय के बाहर ही जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस घटना पर नाराजगी जताई है। इस विवाद के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व से इस मामले में दखल देने की मांग की है। फिलहाल, जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

खैरथल में कुत्तों का आतंक: बच्चे पर किया खूंखार हमला, परिवार ने की सुरक्षा की मांग

खैरथल(रॉयल पत्रिका)। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हाल ही में एक बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इस घटना से इलाके में डर और आक्रोश फैल गया है।**हमले की भयावह घटना:-**पीड़ित बच्चे के परिवार का कहना है कि कुत्ते आदमखोर की तरह हमला कर रहे हैं। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था, तभी अचानक कई कुत्तों ने उसे घेर लिया और काटने लगे। परिजनों और पड़ोसियों ने किसी तरह उसे छुड़ाया, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुका था।**इलाके में दहशत का माहौल:-** यह पहली घटना नहीं है, बल्कि पिछले कुछ महीनों में कुत्तों के काटने की कई घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद इन कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को घर से बाहर भेजने में डर लगने की बात कही है।**प्रशासन से की सुरक्षा की मांग:-** पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान करने की मांग की। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।**नगर परिषद का बयान:-** नगर परिषद के अधिकारियों का कहना है कि वे जल्द ही कुत्तों की धरपकड़ अभियान चलाएंगे और इस समस्या को हल करने के लिए उचित कदम उठाएंगे। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की अपील की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और शहर में भयमुक्त माहौल बनाया जा सके।

मीणा समाज की महापंचायत में कई प्रतिबंध लागू, सामाजिक एकता पर दिया जोर

दौसा(रॉयल पत्रिका)। मीणा समाज की महापंचायत में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें समाज में बढ़ती कुरीतियों पर रोक लगाने के लिए नए प्रतिबंध लागू किए गए। महापंचायत में समाज के वरिष्ठ नेताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

महापंचायत के महत्वपूर्ण निर्णय:- दहेज प्रथा पर सख्ती – महापंचायत में तय किया गया कि समाज में दहेज लेना-देना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। यदि कोई परिवार इसका उल्लंघन करता है तो समाज उसे दंडित करेगा। शादी-विवाह में फिजूलखर्ची पर रोक – शादी में अधिक खर्च, दिखावे और शराब के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। अंतरजातीय विवाह पर कड़ा रुख – समाज के भीतर पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करने की अपील की गई और बाहरी जातियों में विवाह को हतोत्साहित किया गया। शिक्षा को बढ़ावा – समाज के बच्चों को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। नशे पर रोक – शराब और अन्य नशे की लत से दूर रहने और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

सामाजिक एकता पर बल:- महापंचायत में समाज को संगठित और सशक्त करने पर जोर दिया गया। समाज के प्रतिनिधियों ने संविधान के दायरे में रहते हुए अपने अधिकारों की रक्षा करने की बात कही।

उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई:- महापंचायत ने साफ किया कि यदि कोई व्यक्ति इन नियमों का उल्लंघन करता है तो समाज उसे सामाजिक बहिष्कार या जुर्माने जैसी सजा दे सकता है। मीणा समाज के वरिष्ठों ने कहा कि यह निर्णय समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को सही दिशा देने के लिए लिया गया है।

चुरु में ड्यूटी के दौरान RAC कांस्टेबल की मौत, पुलिस परिवार में शोक

चुरू(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबल (RAC) के एक जवान की ड्यूटी के दौरान अचानक मौत हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पुलिस विभाग और उनके परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है। मृतक कांस्टेबल की पहचान [नाम] के रूप में हुई है, जो अपनी ड्यूटी के दौरान अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों में मातम छा गया। मृतक कांस्टेबल को उनकी सेवा और समर्पण के लिए याद किया जा रहा है। उनके सहकर्मियों ने बताया कि वे एक मेहनती और ईमानदार जवान थे, जो हमेशा अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाते थे। पुलिस विभाग ने मृतक कांस्टेबल के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर पुलिसकर्मियों के कठिन और चुनौतीपूर्ण जीवन की ओर सबका ध्यान खींचा है। मृतक के परिवार और सहकर्मी इस समय गहरे दुख में हैं। उनके अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें पुलिस विभाग और स्थानीय लोग शामिल होंगे। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर पैदा कर दी है।

फलोदी में गैस टैंकर हादसा

-टोल प्लाजा के पास टैंकर पलटा, आग लगने से चालक की मौत

जोधपुर(रॉयल पत्रिका)। जोधपुर जिले के फलोदी क्षेत्र में कोलू पाबूजी टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक गैस टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया और उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टैंकर से उठी आग की लपटों से आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया।

कैसे हुआ हादसा:- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गैस टैंकर तेज रफ्तार में था और अचानक संतुलन बिगड़ने से टोल प्लाजा के पास पलट गया। पलटते ही टैंकर में आग लग गई, जिससे चारों तरफ धुआं फैल गया। आग इतनी भयावह थी कि मौके पर अफरातफरी मच गई।

राहगीरों ने दी सूचना, दमकल की गाड़ियां पहुंची:- हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में टैंकर का चालक गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

आग लगने की वजह की जांच जारी:- प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि टैंकर में लदी गैस के रिसाव के कारण आग लगी हो सकती है। हालांकि, सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

प्रशासन ने की अपील:- पुलिस और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि हादसे के कारणों की जांच पूरी होने तक घटनास्थल के पास न जाएं। टोल प्लाजा के पास ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग प्रशासन से भारी वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण लगाने की मांग कर रहे हैं।

धौलपुर डीटीओ कार्यालय में 4 दिनों से काम ठप, लोगों को हो रही परेशानी

धौलपुर(रॉयल पत्रिका)। जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) में पिछले चार दिनों से कामकाज पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाइसेंस बनवाने, नवीनीकरण, वाहन पंजीकरण और परमिट संबंधित काम अटके हुए हैं।

तकनीकी खामी बनी समस्या का कारण:- सूत्रों के मुताबिक, सर्वर में आई तकनीकी खराबी के कारण ऑनलाइन कार्य बाधित हो गया है। इस वजह से ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट, टैक्स भुगतान और गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन से जुड़े कार्य नहीं हो पा रहे हैं। इससे रोजाना आने वाले सैकड़ों लोग निराश होकर लौट रहे हैं।

लोगों को हो रही परेशानी:- डीटीओ कार्यालय में कामकाज ठप होने से आमजन परेशान हैं। वाहन मालिकों का कहना है कि लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जरूरत सरकारी कामों और ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए होती है, लेकिन दफ्तर में काम न होने से वे असमंजस में हैं।

कब तक होगा समाधान:- परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी समस्या को जल्द से जल्द दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं और अगले कुछ दिनों में सिस्टम फिर से चालू होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक कोई निश्चित समय सीमा नहीं बताई गई है।

प्रभावित सेवाएं:

ड्राइविंग लाइसेंस जारी और नवीनीकरण

वाहन पंजीकरण और परमिट

रोड टैक्स भुगतान

फिटनेस सर्टिफिकेट

लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि उनके जरूरी काम फिर से शुरू हो सकें।

एनडीपीएस केस में 20 हजार के इनामी समेत दो गिरफ्तार

बाड़मेर(रॉयल पत्रिका)। जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत फरार चल रहे 20 हजार के इनामी आरोपी समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

कैसे हुई गिरफ्तारी:- बाड़मेर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी इलाके में छिपा हुआ है। इस पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी की और आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

आरोपियों पर लगे गंभीर आरोप:-

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी में लंबे समय से संलिप्त थे।

पकड़े गए आरोपी पहले भी अवैध ड्रग्स और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल रह चुके हैं।

इन पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कई केस दर्ज हैं और इनमें से एक आरोपी फरार चल रहा था।

पुलिस की कड़ी कार्रवाई जारी:- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के तार किसी बड़े ड्रग नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं।

जल्द हो सकती हैं और गिरफ्तारियां:- पुलिस ने इस मामले में और भी लोगों की संलिप्तता की आशंका जताई है और आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस कार्रवाई से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है और यह संकेत है कि प्रशासन जिले में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठा रहा है।

सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति

सिरोही(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नित नए आयाम छू रहा है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के एमओयू हुए है। इनमें सर्वाधिक 28 लाख करोड़ रूपए से अधिक के एमओयू ऊर्जा क्षेत्र में हुए है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश ऊर्जा सरप्लस स्टेट बनने की दिशा में अग्रसर है। राज्य मंत्री मंडल की बैठक में हुए महत्वपूर्ण निर्णय के तहत जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के ग्राम बासडा, मगरा, कोठा एवं देवडा में 292.53 हैक्टेयर भूमि 200 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट, फतेहगढ तहसील के ही ग्राम कोठा एवं हरभा में 672.59 हैक्टेयर भूमि 358.83 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट के लिए आवंटित की जाएगी। बाडमेर जिले की शिव तहसील के राजस्व ग्राम नेगरडा एवं ग्राम कालीजाल में 162 हैक्टेयर भूमि 300 मेगावॉट क्षमता के सोलर प्रोजेक्ट के लिए और फलौदी जिले की बाप तहसील के ग्राम नोख में 119.4 हैक्टेयर भूमि 59.9 मेगावॉट क्षमता के लिए आवंटित की जाएगी। सिरोही जिले की शिवगंज तहसील के ग्राम कैलाशनगर- 1 एवं ग्राम भागली खेडा में राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 102 के तहत 74.97 हैक्टेयर भूमि 765 केवी विद्त सब स्टेशन निर्माण के लिए आवंटित की जाएगी। सौर ऊर्जा आधारित इन इकाई की स्थापना से क्षेत्रीय रोजगार के अवसर का सृजन होगा और अक्षय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि से राज्य के राजस्व अर्जन में बढ़ोतरी होगी।

बारां में पर्यटन की अपार संभावनाएं, पर सुविधाएं नदारद

-34 साल में भी नहीं पनपा पर्यटन, शेरगढ़-शाहाबाद में सफारी का इंतजार

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले में पर्यटन को लेकर बड़ी संभावनाएं होने के बावजूद व्यवसायिक रूप से इसका विकास नहीं हो पाया है। जिला बनने के 34 साल बाद भी यहां पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। रामगढ़, शेरगढ़, शाहाबाद, सोरसन, नाहरगढ़, विलासगढ़ और सीताबाड़ी जैसे पर्यटन स्थलों के विकास पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति निराशाजनक है। विश्व भू विरासत रामगढ़ क्रेटर में जुरासिक काल के अवशेष और खजुराहो शैली के 10वीं शताब्दी के मंदिर हैं। यहां पर्यटक सुविधाओं के लिए 10 करोड़ के प्रस्ताव भेजे गए हैं। शेरगढ़ में परवन नदी किनारे स्थित किले और अभयारण्य में बोटिंग और सफारी की योजना वर्षों से लटकी हुई है। शाहाबाद में किला संरक्षण और कंजर्वेशन रिजर्व पर करोड़ों खर्च होने के बाद भी लेपर्ड सफारी की घोषणा महज कागजों तक सीमित है। एएसआई संरक्षित विलासगढ़ में प्राचीन मंदिर और म्यूजियम है, लेकिन यहां पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं नहीं हैं। काले हिरणों के लिए प्रसिद्ध सोरसन कंजर्वेशन रिजर्व में बनी पर्यटक हट्स भी अभी तक शुरू नहीं हो पाई हैं। जिला पर्यटन विकास समिति की साल में तीन-चार बार होने वाली बैठकों में विकास योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन वे धरातल पर नहीं उतर पाती हैं। नए साल और अन्य प्रमुख अवसरों पर बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने के बावजूद बुनियादी सुविधाओं का अभाव पर्यटन विकास में बाधक बना हुआ है।

झुंझुनू में 8वीं बोर्ड परीक्षा के नियमों में बदलाव, छात्रों और अभिभावकों में मिश्रित प्रतिक्रिया

झुंझुनू(रॉयल पत्रिका)। राज्य शिक्षा विभाग ने 8वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जिसके बाद से छात्रों और अभिभावकों के बीच मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। नए नियमों के तहत, अब 8वीं बोर्ड परीक्षा में छात्रों को अधिक व्यावहारिक और प्रोजेक्ट-आधारित मूल्यांकन प्रणाली के तहत तैयारी करनी होगी। इसके साथ ही, परीक्षा पैटर्न में भी कुछ बदलाव किए गए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह बदलाव छात्रों को रट् विद्या से हटाकर उनकी समझ और कौशल को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। नए नियमों के तहत, अब छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क, प्रैक्टिकल एग्जाम और थ्योरी परीक्षा के आधार पर मूल्यांकित किया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (MCQs) की संख्या भी बढ़ाई गई है। हालांकि, इस बदलाव को लेकर छात्रों और अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हैं। कुछ छात्रों का मानना है कि यह बदलाव उनके लिए फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि इससे उनकी रटने की प्रवृत्ति कम होगी और वे विषयों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। वहीं, कुछ अभिभावकों ने चिंता जताई है कि यह नया पैटर्न छात्रों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है, क्योंकि उन्हें अब प्रोजेक्ट और प्रैक्टिकल पर भी ध्यान देना होगा। शिक्षाविदों का कहना है कि यह बदलाव छात्रों के समग्र विकास के लिए सही कदम है, लेकिन इसे सही ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों को छात्रों को नए पैटर्न के अनुसार तैयार करने के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित करनी चाहिए। इस बदलाव के साथ ही, शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को नए नियमों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने और छात्रों को जल्द से जल्द अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। अब देखना यह है कि यह नया पैटर्न छात्रों के लिए कितना फायदेमंद साबित होता है और इसका शिक्षा के स्तर पर क्या प्रभाव पड़ता है।

केआरएन हीट एक्सचेंजर एन्ड रेफ्रिजरेशन ने क्यू3 एफवाय25 में 74 प्रतिशत की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू और मुनाफे में वृद्धि दर्ज की

नीमराना, (राजस्थान)। केआरएन हीट एक्सचेंजर एन्ड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड , जो एल्युमिनियम / कॉपर फिन्स, कॉपर ट्यूब हीट एक्सचेंजर, वॉटर कॉइल्स, और कंडेन्सर और इवापरेटर कॉइल्स के निर्माण और निर्यात में अग्रणी है, ने क्यू3 और 9रू एफवाय25 के लिए अपनी अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। केआरएन हीट एक्सचेंजर एन्ड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संतोष कुमार ने कहा, हम क्यू3 एफवाय25 में प्रदर्शित असाधारण प्रदर्शन से अत्यधिक प्रसन्न हैं, जो हमारे रणनीतिक पहलों, संसाधन अनुकूलन और गुणवत्ता के प्रति हमारी अडिग प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाता है। भविष्य में, हम अपनी क्षमताओं को विस्तारित करने और अपनी विकास यात्रा को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। ऊर्जा-प्रभावी और कस्टमाइज्ड हीट एक्सचेंजर समाधानों की मांग में निरंतर वृद्धि हमें एचवीएसी एंड आर उद्योग में आगे की सफलता के लिए अच्छे स्थान पर रखती है। केआरएन एचवीएसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में 235.76 करोड़ की राइट्स इश्यू के जरिए हमारी हालिया इन्वेस्टमेंट से हमारी क्षमता को बढ़ावा मिलेगा, जो हमें बाजार में अपनी नेतृत्व स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा। हम अपने निर्माण प्रक्रियाओं को सुधारने को प्राथमिकता देंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हम अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हुए अपने ग्राहकों को विश्वसनीय और टिकाऊ उत्पाद प्रदान करें। जैसे-जैसे हम आने वाले तिमाहियों में आगे बढ़ेंगे, हम विश्वास रखते हैं कि गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि पर हमारी रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने से हमें निरंतर सफलता प्राप्त होगी और हम भविष्य में सतत मूल्य प्रदान करने में सक्षम होंगे।

शेरा एनर्जी की तेज़ी से बढ़त जारी, रेवेन्यू में 53.7 प्रतिशत की छलांग

मुंबई। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो अलौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की प्रमुख निर्माता है, ने 9 महीने की वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नसीम शेख, , ने कहा, हम एफवाय25 के पहले नौ महीनों में 53.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की रिपोर्ट करने के लिए प्रसन्न हैं, जो हमारे मजबूत संचालन निष्पादन और स्ट्रैटेजिक पहलों को दर्शाता है। यह प्रभावशाली वृद्धि 15 प्रतिशत की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और अनुकूल बाजार मांग के कारण संभव हो पाई है। प्रबंधन इस गति को बनाए रखने के प्रति आशावादी है, और क्षमता विस्तार, लगातार मांग और नए ग्राहक अधिग्रहण को कंपनी के दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के लिए प्रमुख विकास प्रेरक के रूप में देखा जा रहा है।

मिडिल क्लास को राहत मिलने की उम्मीद!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक 5 फरवरी से शुरू हो चुकी है और कल 7 फरवरी को इस पर फैसला आने वाला है। बजट में टैक्स में छूट मिलने के बाद अब आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी बैठक से राहत की उम्मीद लगाई जा रही है। जानकारों के मुताबिक, इस बार आरबीआई नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो आम आदमी को कर्ज लेना सस्ता पड़ेगा, यानी ईएमआई के मोर्चे पर बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि इससे पहले रिजर्व बैंक ने इससे पहले मई, 2020 में रेपो दर को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया था।

मुफ्त राशन ले रहे अपात्र लोगों की छंटनी की हो रही तैयारी

आयकर विभाग की ली जाएगी मदद

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के तहत ऐसे लोगों के पहचान की तैयारी कर रही है, जो अपात्र होते हुए योजना का लाभ रहे हैं। खबर है कि ऐसे लोगों की पहचान के लिए अब आयकर विभाग की मदद ली जाएगी।

एक कार्यालय आदेश में कहा गया है कि आयकर विभाग पीएमजीकेएवाई के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए अपने आंकड़ों को खाद्य मंत्रालय के साथ साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को देश में कोविड-19 महामारी से हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के विशिष्ट उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है। सीबीडीटी के अनुसार आयकर महानिदेशक (सिस्टम) को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में खाद्य वसार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के संयुक्त सचिव को जानकारी देने का अधिकार होगा। नई व्यवस्था के मुताबिक, डीजीएलटी (सिस्टम), नयी दिल्ली को डीएफपीडी कर निर्धारण वर्ष के साथ आधार या पैन नंबर उपलब्ध कराएगा। यदि पैन या दिया गया आधार आपस में जुड़े हैं तो डीजीआईटी (सिस्टम) आयकर विभाग के डेटाबेस के अनुसार निर्धारित आय के संबंध में डीएफपीडी को जवाब देगा। यदि लाभार्थी का आधार नंबर आयकर डेटाबेस में किसी भी पैन से नहीं जुड़ा है, तो डीजीआईटी (सिस्टम) इसकी सूचना डीएफपीडी को देगा। इस तरह के जवाब और सूचना के लेनदेन का तरीका डीजीएलटी (सिस्टम) और डीएफपीडी तय करेंगे। आपस में आंकड़ों को साझा करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए डीजीआईटी (सिस्टम) डीएफपीडी के साथ एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) करेगा। एमओयू में आंकड़ों के अदान-प्रदान का तरीका, गोपनीयता, डेटा के सुरक्षित संरक्षण के लिए तंत्र, उपयोग के बाद उसे नष्ट करने के तरीके आदि का विवरण होगा।

सनी लियोनी भी उतरीं प्रॉपर्टी कारोबार में, एक झटके में खर्च कर डाले 8 करोड़ रुपये

नईदिल्ली, एजेंसी। सनी लियोनी भी बॉलीवुड के दूसरे सितारों के कदम पर चलने लगी हैं। एक्टिंग से इतर उन्होंने एक और कारोबार शुरू कर दिया है। यह कारोबार रियल एस्टेट का है। इन दिनों बॉलीवुड के काफी सितारे अलग-अलग जगह पर प्रॉपर्टी खरीद और बेच रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी ने भी एक प्रॉपर्टी खरीदी है। सनी लियोन ने मुंबई के ओशिवारा में 8 करोड़ रुपये में ऑफिस स्पेस खरीदा है। यह जानकारी स्क्वायर यार्ड्स ने दी। प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट के मुताबिक यह ऑफिस स्पेस करनजीत कौर वेबर के नाम से खरीदा गया है। बता दें कि सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वेबर है। यह प्रॉपर्टी बीर सिग्नेचर में स्थित है, जो ओशिवारा में स्थित बीर ग्रुप का एक कमर्शियल प्रोजेक्ट है।

कितना बड़ा है ऑफिस स्पेस- प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इस ऑफिस स्पेस का कारपेट एरिया 176.98 वर्ग मीटर है। वहीं बिल्ट-अप एरिया 194.67 वर्ग मीटर है। इसमें तीन कार पार्किंग दी गई हैं। इस लेन-देन में 35.01 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30 हजार रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस लगी है।

किसने बेची यह प्रॉपर्टी-सनी लियोनी ने यह प्रॉपर्टी आनंद कमलनयन पंडित और रूपा आनंद पंडित के स्वामित्व वाली कंपनी ऐश्वर्या प्रॉपर्टी एंड एस्टेट्स से खरीदी है। आनंद पंडित फेमस फिल्म निर्माता, वितरक और रियल एस्टेट डेवलपर हैं। उन्होंने टोटल धमाल, चेहरे और द बिग बुल जैसी फिल्में बनाई हैं।

रियल एस्टेट में हाथ आजमा रहे कई सितारे- इन दिनों कई फिल्मी सितारे रियल एस्टेट में हाथ आजमा रहे हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने ओशिवारा में अपना डुप्लेक्स अपार्टमेंट 83 करोड़ रुपये में बेचा था। उन्होंने इसे 31 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं कुछ दिन पहले सोनाक्षी सिन्हा ने भी मुंबई के बांद्रा पश्चिम की एक हाउसिंग कांप्लेक्स का अपना अपार्टमेंट बेचा है।

खाते में जीरो लेकिन कुछ ही सालों में बना डाली 5 करोड़ की संपत्ति

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के रहने वाले गुरजोत अहलूवालिया ने सिर्फ 11 सालों में शून्य से 5 करोड़ रुपये की संपत्ति बना ली है। वह गुरुग्राम में एक्सेंचर के कर्मचारी हैं। उन्होंने साल 2024 में यह उपलब्धि हासिल की। साल 2025 तक अहलूवालिया ने आर्थिक रूप से स्वतंत्र होकर रिटायर होने का टारगेट रखा है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को 2024 की सबसे बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने अपने फाइनेंशियल ट्रैकिंग ऐप का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इसमें 5 करोड़ की संपत्ति के मुकाबले सिर्फ 2.7 लाख रुपये की देनदारियां हैं। आइए, यहां गुरुजोत अहलूवालिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। गुरुजोत अहलूवालिया ने अपनी सफलता का श्रेय तीन मुख्य सिद्धांतों को दिया है। अच्छी कमाई के लिए प्रोफेशनल ग्रोथ, बचत की आदत और सोच-समझकर इक्विटी निवेश के साथ बिजनेस। अहलूवालिया ने सोशल मीडिया पर अपनी उपलब्धि को शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे एक मध्यमवर्गीय सैलरी पाने वाला व्यक्ति 11 सालों में शून्य से 5 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। गुरुजोत अहलूवालिया ने लिखा, एक मध्यमवर्गीय वेतनभोगी व्यक्ति जैसे मैं, 11 सालों में 0 से 5,00,00,000 रुपये तक पहुंच गया। अहलूवालिया ने अपनी इस यात्रा को तेज करने के लिए दो मुख्य कारण बताए। पहला, उनके माता-पिता ने उनकी पढ़ाई का खर्च उठाया। इससे वह कर्ज से मुक्त रहे। दूसरा, माता-पिता के साथ रहने से किराए का खर्च बच गया। उन्होंने साफ किया कि उनकी कुल संपत्ति में प्रॉपर्टी या गहने शामिल नहीं हैं। अहलूवालिया की इस कहानी ने लोगों का ध्यान खींचा है। कई लोगों ने उनकी प्रशंसा की। एक यूजर ने लिखा, लगातार कोशिश और धैर्य की अद्भुत मिसाल। यह लंबी अवधि के निवेश की ताकत को दर्शाता है। एक अन्य यूजर ने कहा, मुंबई जैसे शहर में किराया सबसे बड़ा खर्च होता है। 15-20 साल तक किराया देते हुए इतनी बड़ी रकम जमा करना वाकई मुश्किल है, लेकिन अनुशासन और अच्छी सैलरी से यह संभव हो सकता है। अहलूवालिया की सफलता की कहानी कई लोगों के लिए प्रेरणादायक है। यह दिखाती है कि सही योजना और लगन से वित्तीय लक्ष्यों को कैसे हासिल किया जा सकता है। उनकी रणनीति में प्रोफेशनल ग्रोथ पर ध्यान देना शामिल है। इससे अच्छी कमाई हो सकती है। साथ ही, उन्होंने फिजूलखर्ची से बचने और ज्यादा से ज्यादा बचत करने पर जोर दिया। अहलूवालिया ने इक्विटी में सोच-समझकर निवेश किया। बिजनेस में भी हाथ आजमाया। कर्ज से मुक्त रहना और किराए के खर्च से बचना भी उनकी सफलता के महत्वपूर्ण फैक्टर रहे। यह कहानी उन लोगों के लिए एक सबक है जो आर्थिक स्वतंत्रता का सपना देखते हैं। यह दिखाता है कि मेहनत, स्मार्ट निवेश और सही वित्तीय योजना से कुछ भी संभव है।

34 प्रतिशत बढ़ गया जूडियो पैरेंट ट्रेंट लिमिटेड का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की कंपनी और जूडियो पैरेंट ट्रेंट लिमिटेड ने आज गुरुवार, 6 फरवरी को कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। टाटा की इस कंपनी का प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में बढ़ गया है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में उसका प्रॉफिट लगभग 34 प्रतिशत बढ़कर 496.54 करोड़ रुपये पर आ गया। यह पिछले साल समान अवधि के दौरान 370.64 करोड़ रुपये पर था। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 34.3 प्रतिशत बढ़कर 3,466.62 करोड़ रुपये से 4,656.56 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच, आज कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक गिर गए और 5259.80 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

बढ़ा है कंपनी का खर्च- दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 4,096.08 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, कंपनी ने ख्रह्व25 की तीसरी तिमाही में कुल 4,715.64 करोड़ रुपये की आय दर्ज की। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में दर्ज की गई 3,546.95 करोड़ रुपये की कुल आय से मजबूत बढ़ोतरी है।

ओला इलेक्ट्रिक ने ऑल-न्यू रोडस्टर एक्स सीरीज़ के साथ मोटरसाईकल सेगमेंट में हलचल मचाई

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज अपनी रोडस्टर एक्स सीरीज़ के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल सेगमेंट में प्रवेश किया। ये मोटरसाईकल बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ राईडिंग का रोमांचक अनुभव प्रदान करती हैं। कंपनी के स्केलेबल मोटरसाईकल प्लेटफॉर्म पर बनाई गई रोडस्टर एक्स सीरीज़ में रोडस्टर एक्स को 74,999 रुपये, 4.5किलोवाट रोडस्टर एक्स. को 1,04,999रुपये और 9.1किलोवाट रोडस्टर एक्स. को 1,54,999रुपये में बाजार में उतारा गया है। ये हर चार्ज में 501 किलोमीटर की बेहतरीन रेंज प्रदान करती हैं ऑल-न्यू रोडस्टर एक्स 2.5किलोवाट, 3.5किलोवाट और 4.5किलोवाट वैरिएंट्स में क्रमशः 74,999रुपये, 84,999रुपये और 94,999रुपये में पेश किया गया है। रोडस्टर सीरीज़ में 3 साल/50,000 किलोमीटर की स्टैंडर्ड वॉरंटी मिलती है। रोडस्टर सीरीज़ की डिलीवरी मार्च के मध्य से शुरू होगी।

ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, भाविश अग्रवाल ने कहा भारत में मोबिलिटी के लिए मोटरसाईकल सबसे अहम भूमिका रखती हैं हमारी इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल भारत में मोबिलिटी को इलेक्ट्रिक बनाने की मुहिम को और ज्यादा तेज करेंगी। स्कूटर बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ाने के बाद हम अपनी रोडस्टर सीरीज़ की मोटरसाईकल लेकर आए हैं जो इलेक्ट्रिक वाहनों की मुहिम को और ज्यादा तेजी से आगे बढ़ाएंगी और इलेक्ट्रिक वाहन को भारत में हर राईडर की पसंद बना देंगी। रोडस्टर सीरीज़ शहरों और गाँवों, दोनों जगह मोबिलिटी में परिवर्तन ला देंगी, जो हमारे एंड आइस ऐज के उद्देश्य के अनुरूप है। ये मोटरसाईकल बेहतरीन रेंज, परफॉर्मेंस, विश्वसनीयता, एफिशियंसी, और टेक्नोलॉजी प्रदान करती हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का इससे उपयुक्त समय कोई और नहीं हो सकता है।'' रोडस्टर सीरीज़ इनोवेशन और बेहतरीन इंजीनियरिंग के साथ कॉम्पैक्ट डिज़ाईन और एक मॉड्युलर प्लेटफॉर्म के साथ पेश की गई है, जो राईडिंग की हर परिस्थिति में शानदार परफॉर्मेंस, एफिशियंसी और विश्वसनीयता प्रदान करती है। ये मोटरसाईकल मिड-ड्राईव मोटर के साथ आती हैं, जिससे परफॉर्मेंस और सुरक्षा बढ़ती है। रोडस्टर सीरीज़ के पॉवरट्रेन में एक चेन ड्राईव और एक इंटीग्रेटेड एमसीयू दिया गया है, जो शक्तिशाली टॉर्क ट्रांसफर के साथ बेहतर एक्सेलेरेशन और बेहतर रेंज प्रदान करता है, जिससे इसका खर्च काफी कम हो जाता है। कंपनी अपनी रोडस्टर सीरीज़ के साथ मोटरसाईकल में पहली बार फ्लैट केबल लेकर आ रही है। ये केबल पैकेजिंग की एफिशियंसी बढ़ाते हैं, वजन में कमी लाते हैं, और थर्मल परफॉर्मेंस में सुधार करते हैं, जिससे इसकी ड्यूरेबिलिटी और विश्वसनीयता बढ़ती है।

रोडस्टर सीरीज़ में अत्याधुनिक मोटरसाईकल टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इसमें सिंगल एबीएस के साथ सेगमेंट की पहली पेटेंटेड ब्रेक-बाय-वायर टेक्नोलॉजी दी गई है। स्मार्ट मूवओएस 5 में एडवांस्ड रिजनरेशन, क्रूज़ कंट्रोल, और रिवर्स मोड जैसी खूबियाँ हैं। रोडस्टर सीरीज़ का बैटरी सिस्टम सिंगल डिज़ाईन कॉन्सेप्ट के साथ अत्याधुनिक मॉड्युलर डिज़ाईन पेश करता है जो विभिन्न क्षमताओं के लिए अनुकूलित किया जा सकता है, ताकि ज्यादा सुरक्षित और एनर्जी-एफिशियंट परफॉर्मेंस मिले इस मोटरसाईकल को आईपी67 वॉटरप्रूफ और डस्ट-प्रूफ सर्टिफिकेशन दिया गया है इसमें एडवांस्ड वायर बॉन्डिंग टेक्नोलॉजी, और आसान मेंटेनेंस के लिए बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम दिया गया है। इसमें यूज़र-फ्रेंडली डबल क्रेडल फ्रेम आर्किटेक्चर है, जो काफी मजबूत, लाईटवेट और चुस्त है, जिसे वजन के वितरण के लिए अनुकूलित किया गया है, तथा सेंटर ऑफग्रेविटी काफी नीचे दिया गया है ताकि राईडर को ज्यादा स्थिरता, गतिशीलता एवं सुरक्षा मिल सके।

एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड ने एचएसबीसी फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ फ़ंड लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड ने एचएसबीसी फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ फ़ंड लांच करने की घोषणा की है, जो वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में निवेश करने वाली एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है। नया फ़ंड ऑफ़र 20 फरवरी 2025 को बंद होगा।

वित्तीय सेवाओं का क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में एक अहम भूमिका निभाता है। बढ़ती वित्तीय समावेशन, डिजिटलीकरण, और सहायक विनियामक नीतियों के साथ-साथ भारतीय परिवारों द्वारा अपनी बचत को वित्तीय परिसंपत्तियों में लगाने की प्रवृत्ति का मतलब है कि यह क्षेत्र विकास की राह पर है। एचएसबीसी फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ फ़ंड का लक्ष्य वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र के विकास के अवसरों और संभावनाओं का लाभ उठाना है।

इस फ़ंड का प्रबंधन गौतम भूपल, एसवीपी फ़ंड मैनेजमेंट इक्विटीज़, एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड, साथ ही एक टीम सदस्य द्वारा किया जाएगा, जिसे वित्तीय सेवा क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों की गहराई का फ़ायदा उठाने में विशेषज्ञता है, जिससे निवेशकों को भारत की लंबी अवधि की विकास कहानी से फ़ायदा उठाने का अवसर मिलेगा। यह प्रोडक्ट उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो लंबी अवधि में अपनी संपत्ति में वृद्धि करना चाहते हैं।

एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड के सीईओ कैलाश कुलकर्णीने कहा, 2047 तक भारत की जीडीपी के मौजूदा 3.4 ट्रिलियन से 8.8 गुना बढ़कर 30 ट्रिलियन होने का अनुमान है, और साथ ही वित्तीय क्षेत्र के इस जीडीपी के दो गुना बढ़ने की उम्मीद है ताकि विकसित भारत 2047 के विज़न को हासिल किया जा सके। इस तेज़ी से बढ़ते वित्तीय परिदृश्य में, हम नॉन-लेंडिंग क्षेत्र में काफी गहराई देख रहे हैं, जिसमें पूंजी बाजार, बीमा, डिपॉज़िट्स और मुद्रा प्रबंधन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। टेक्नोलॉजी और निवेशकों की बदलती मानसिकता के कारण, वित्तीय इकोसिस्टम में बदलाव आया है। हमारे फ़ंड का लक्ष्य इन उभरती हुई विकास संभावनाओं का लाभ उठाना है। एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड के सीआईओ-इक्विटी, वेणुगोपाल मांघाटने कहा, हमारे निवेश दृष्टिकोण का लक्ष्य एक इक्विटी निवेश प्रक्रिया के माध्यम से लॉन्ग टर्म अल्फ़ा (यानी किसी निवेश का प्रदर्शन किसी निश्चित समयावधि में बाज़ार बेंचमार्क की तुलना में कैसा है) डिलीवर करना है, जिसमें उपयुक्त स्टॉक चयन, कंपनियों का गहन विश्लेषण और पोर्टफ़ोलियो निर्माण और निगरानी शामिल है। स्टॉक्स का चयन कई मानदंडों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा, जिसमें व्यवसाय की बुनियादी बातें, उद्योग की संरचना, साथियों के बीच आपसी व्यावसायिक ताकत, प्रबंधन की गुणवत्ता, आर्थिक कारकों के प्रति संवेदनशीलता, कंपनी की वित्तीय ताकत, प्रमुख कमाई के मुख्य ड्राइवर और मूल्यांकन शामिल हैं।

एचएसबीसी म्यूचुअल फ़ंड के पास 31 दिसंबर 2024 तक 1.25 लाख करोड़ रु. की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) है। शहरों में 64 स्थानों पर फुटप्रिंट के साथ, कंपनी 31 दिसंबर, 2024 को इक्विटी फ़ंड, डेब्ट फ़ंड, हाइब्रिड फ़ंड, इंडेक्स फ़ंड और फ़ंड ऑफ़ फ़ंड सहित लगभग 44 ओपन एंडेड फ़ंड के साथ व्यापक और अनुकूलित समाधान पेश करती है।

ब्यूटी एंड पर्सनल केयर बिजनस में उतरेंगी अनन्या बिड़ला

साल 2028 तक यह बिजनस 34 अरब डॉलर का हो जाएगा

नईदिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या बिड़ला अब ब्यूटी और पर्सनल केयर बिजनस में कदम रख रही हैं। यह उनका तीसरा बिजनस होगा। इससे पहले वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और माइक्रोफाइनेंस का बिजनस शुरू कर चुकी हैं। देश में ब्यूटी और पर्सनल केयर का मार्केट अरबों डॉलर का है और लगातार बढ़ रहा है। अनन्या के नए मेकअप, फ्रेगरेंस और दूसरे प्रोडक्ट्स के ब्रांड नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस सेक्टर में उनका मुकाबला रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा, ॥रु और लोरिल जैसी बड़ी कंपनियों से होगा। रिलायंस में ब्यूटी और लाइफस्टाइल सेगमेंट मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी देखती हैं।

अनन्या की कंपनी बिड़ला कॉस्मेटिक्स इसी साल अपने ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड्स लॉन्च करेगी। 30 साल की अनन्या खुद के ब्रांड लोरिल की ब्रांड एम्बेसडर भी हैं। माना जा रहा है कि 2028 तक ब्यूटी एंड पर्सनल केयर का बिजनस 34 अरब डॉलर का हो जाएगा।

अनन्या के बिजनस

कॉरपोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री में फाइलिंग के मुताबिक बिड़ला कॉस्मेटिक्स की स्थापना 26 जुलाई 2023 को हुई थी। इस कंपनी में अनन्या के अलावा उनकी मां नीरजा बिड़ला, बहन अद्वैतेषा बिड़ला और मैनेजर अक्षिता शाह भी डायरेक्टर हैं। पिछले कुछ साल में कई बड़े बिजनसमैन और फिल्मी सितारे ब्यूटी और पर्सनल केयर के क्षेत्र में उतरे हैं। फरवरी 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ञ्जद्बह्क्ष्ह्व नाम का एक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। इस पर मेकअप, स्किनकेयर, हेयरकेयर और फ्रेगरेंस प्रोडक्ट्स मिलते हैं। एक साल बाद एक्ट्रेस नयनतारा ने 9स्द्मद्बठ्ठ नाम से एक स्किनकेयर ब्रांड लॉन्च किया।

अनन्या ने सिर्फ 17 साल की उम्र में स्वतंत्र माइक्रोफिन शुरू किया था। आज यह माइक्रोफाइनेंस सेक्टर की दूसरी बड़ी कंपनी है।

अपने लिए महिला सेक्शन से कपड़ों की खरीदारी करते हैं चंकी पांड

चंकी पांडे हाल ही में अपनी फैशन चॉइस पर बात करते नजर आए। उन्होंने बताया कि वे अपने लिए अक्सर वुमन सेक्शन से कपड़े खरीदते हैं। उन्होंने इसकी वजह भी बताई, जो काफी दिलचस्प है।

अभिनेता चंकी पांडे अपने मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वे परदे पर भी इस किस्म की भूमिकाएं बड़ी संजीदगी से अदा करते हैं। दिलचस्प बात ये है कि निजी जिंदगी में भी उनका व्यवहार कुछ ऐसा है। हाल ही में चंकी पांडे ने अपनी फैशन चॉइस को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे अपने लिए कपड़ों की खरीदारी अक्सर महिला सेक्शन से करते हैं।

चंकी पांडे ने हाल ही में खुलासा किया कि वे वुमन सेक्शन से कपड़े खरीदते हैं। इसकी वजह ये है कि उनकी मां ने बचपन में उन्हें बेटियों की तरह रखा। चंकी पांडे के मुताबिक बचपन में उनकी मां उन्हें लड़कियों की तरह कपड़े पहनाती थीं।

इस बात ने उन पर असर किया। मैशेबल इंडिया के साथ इंटरव्यू के दौरान चंकी पांडे ने कहा कि जब उनका जन्म होने वाला था तो माता-पिता घर में बिटिया के स्वागत की तैयारी कर रहे थे। अभिनेता ने बताया, उनके माता-पिता चाहते थे कि बेटी का जन्म हो। उन्होंने तैयारियां भी उसी हिसाब से कर रखी थीं। वे बेटे के जन्म के लिए तैयार नहीं थे। मां ने पहले से ही लड़कियों के कपड़े खरीद रखे थे। लेकिन, घर में मेरा जन्म हुआ। ऐसे में पहले से खरीदे गए कपड़े ही मुझे पहनाए गए। चंकी पांडे के मुताबिक बचनप की तस्वीरों में वे फ्रॉक पहने नजर आते हैं। फ्रॉक, बिंदी और छोटी-छोटी बालियां पहने वे ऐसे लगते हैं, जैसे कोई बेबी गर्ल हो। एक्टर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जन्म के करीब दो साल बाद वे लड़के की तरह नजर आए।

आलिया-कैटरीना, श्रद्धा और यामी के साथ नॉमिनेट होना सपना सच होने जैसा: नितांशी गोयल

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में अपने किरदार 'फूल' से लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल को आईफा में सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका (महिला) पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिनेत्री का मानना है कि आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, यामी गौतम और श्रद्धा कपूर जैसे नामों के साथ नॉमिनेट होना सपना सच होने जैसा है। नितांशी ने कहा, यह नॉमिनेशन मेरी कल्पना से परे है। मैं इस सम्मान के लिए जूरी की वास्तव में आभारी हूं और ऐसे अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ लिस्ट में शामिल किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं, जिन्हें मैं वर्षों से देखती आई हूं। अभिनेत्री ने कहा, किसी भी चीज से ज्यादा मैं दर्शकों से मिले प्यार और प्रोत्साहन के लिए बहुत आभारी हूं। हर संदेश और हर बार जब कोई मुझे पहचानता है, यह सब मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, श्रद्धा कपूर और यामी गौतम के साथ नॉमिनेट होना पहले से ही एक सपना सच होने जैसा है और मैं इस पल के लिए यूनिवर्स के प्रति अपना आभार व्यक्त कर सकती हूं। किरण राव के निर्देशन में बनी 'लापता लेडीज' को पिछले साल ऑस्कर 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया और प्रस्तुत किया गया था। 'लापता लेडीज' दो दुल्हनों की ताकत की कहानी को बखूबी पर्दे पर उतारती है। दोनों ट्रेन में अपने परिवार से अलग हो जाती हैं, दोनों के दूल्हे अलग-अलग होते हैं। गलतफहमी और खास मैसेज के साथ फिल्म की कहानी को पर्दे पर बखूबी उतारा गया है। 'लापता लेडीज' आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखा, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने तैयार किया है

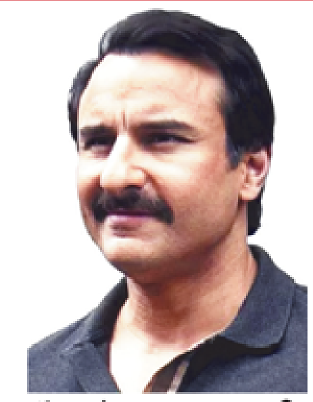

सैफ के हमलावर की जेल में कराई गई पहचान, एक्टर से जुड़े ये लोग रहे मौजूद

सैफ अली खान हमले मामले में आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद की आइडेंटिफिकेशन परेड कराई गई है। आरोपी की पहचान करने के लिए सैफ के घरेलू सहायक और स्टाफ नर्स जेल पहुंचे थे।

अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले मामले में नई अपडेट सामने आई है। सामने आई जानकारी के अनुसार अभिनेता पर हमले के आरोपी की जेल में पहचान कराई गई है। पहचान कराने के लिए सैफ से जुड़े कुछ लोगों को जेल में बुलाया गया था।

सैफ अली खान पर हमले के आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद की आइडेंटिफिकेशन परेड पांच फरवरी को आर्थर रोड जेल में की गई। आरोपी की पहचान करने के लिए खान के घरेलू सहायक और स्टाफ नर्स जेल पहुंचे थे। कोर्ट के आदेश के बाद तहसीलदार की मौजूदगी में आइडेंटिफिकेशन परेड की गई।

इससे पहले पुलिस सैफ अली खान पर जानलेवा हमले के आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद का फेस रिकग्निशन भी करा चुकी है। इस टेस्ट का रिजल्ट सकारात्मक आया था। कैमरे में कैद चेहरा और आरोपी का चेहरा टेस्ट में मेल खा रहे थे।

फिल्मों के बाद अब वेब सीरीज करेंगी जेनेलिया

वर्ल्ड पिकलबॉल लीग में अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख की टीम पुणे यूनाइटेड ने हाल ही में जीत दर्ज की है। अभिनेत्री ने फिल्मों में अपने सफर और भारत में खेलों के प्रति बढ़ते प्यार के साथ ही वेब सीरीज में काम को लेकर अपनी योजना शेयर की।

अभिनेत्री दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ ही हिंदी, मराठी समेत कई भाषाओं में फिल्में कर चुकी हैं। जब अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या दर्शक उन्हें जल्द ही किसी ओटीटी सीरीज में देख पाएंगे? उन्होंने कहा, मुझे ओटीटी में काम करना पसंद आएगा। शॉर्ट-फॉर्मेट हो या लॉन्ग-फॉर्मेट, मेरे लिए जो मायने रखता है, वह यह है कि मैं अपने दर्शकों तक कैसे कंटेंट पहुंचा पाती हूं। मेरा व्यक्तित्व ऐसा है कि मैं किसी भी तरह का काम करने के लिए तैयार रहती हूं। काम तो काम है।

मैंने साउथ की फिल्में काफी पहले शुरू कर दी थीं। मुझे साउथ की फिल्में करने पर बहुत गर्व है। उन्होंने आगे कहा, मैंने बॉलीवुड और साउथ की फिल्में की हैं। मैं फिल्मों को एक माध्यम के रूप में पसंद करती हूं, फिर वह लॉन्ग में हो या शॉर्ट फॉर्मेट में, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं और लंबे समय से इंतजार कर रही हूं। भारत वैश्विक स्तर पर खेल को लेकर अपनी पहचान बना रहा है। गुकेश डोमराजू शतरंज में विश्व चैंपियन बने, भारत ने पेरिस ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया।

अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या वह भारत में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम के लिए बदलाव देखती हैं?

अभिनेत्री ने कहा, मुझे खेल पसंद है और हमेशा उम्मीद और प्रार्थना करती रही हूं कि हमारे पास बेहतर खेल सुविधाएं, बुनियादी ढांचा और इसे देखने वाले अधिक लोग हों।

यह एक या दो खेल तक ही सीमित था, मुझे लगता है कि आज लोग हर खेल और हर उस व्यक्ति को खुले तौर पर अपना रहे हैं, जो किसी न किसी चीज में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मुझे लगता है कि यह मेरे जैसे दर्शक और मेरे बच्चों के लिए बहुत अच्छा है, जो खेल में रुचि रखते हैं। जेनेलिया ने कहा, मुझे लगता है कि आपके पास सपने देखने और कड़ी मेहनत करने का अवसर है। सपने देखना इसका एक हिस्सा है, लेकिन वहां जाकर विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाना कुछ ऐसा है, जो भारत पिछले कई सालों से बहुत सही तरीके से कर रहा है।

क्या राजकुमार हिरानी की डेब्यू सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं विक्रांत मैसी?

कई लोकप्रिय फिल्में दे चुके राजकुमार हिरानी अब ओटीटी की दुनिया में दस्तक देने जा रहे हैं। उनकी डेब्यू ओटीटी सीरीज में विक्रांत मैसी नजर आएंगे। कुछ वक्त पहले विक्रांत ने कुछ वक्त ब्रेक लेने का एलान किया था। अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विक्रांत मैसी ने सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। वे गोवा में शूटिंग कर रहे हैं। क्या है इन खबरों की सच्चाई जानते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विक्रांत गोवा में हैं और वे राजकुमार हिरानी की सीरीज की शूटिंग के सिलसिले में वहां हैं। ओटीटीप्ले की एक रिपोर्ट के मुताबिक विक्रांत मैसी गोवा पहुंच चुके हैं, जहां राजकुमार हिरानी की बहुप्रतीक्षित ओटीटी सीरीज आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। सूत्रों ने पोर्टल को बताया कि अभिनेता ने गोवा के खूबसूरत तटीय इलाके में शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि सीरीज की शूटिंग जोरों पर है। हालांकि, सीरीज के बारे में जानकारियां गुप्त रखी गई हैं। इससे पहले मीडिया बातचीत में राजकुमार हिरानी ने ओटीटी स्पेस को एक्सप्लोर करने के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि हर कहानी फीचर फिल्म के ढांचे में फिट नहीं बैठती है और कुछ कहानियां लंबे फॉर्मेट के लिए बेहतर होती हैं। वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, वह महामारी के दौरान खोजा गया था।

कंगना रनौत ने खोला 'द माउंटेन स्टोरी' कैफे, बताया खास

अभिनेत्री-फिल्मकार और राजनीतिज्ञ कंगना रनौत अब एक कैफे की भी मालकिन बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर कैफे का एक वीडियो शेयर कर उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है। अभिनेत्री ने अपने कैफे का नाम द माउंटेन स्टोरी रखा है।

कंगना सोशल मीडिया पर लेटेस्ट पोस्ट प्रशंसकों के साथ शेयर करती रहती हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने अपने कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' की झलक दिखाई। कंगना ने 'द माउंटेन स्टोरी' को हिमाचली टच दिया। वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बचपन का सपना साकार हुआ, हिमालय की गोद में मेरा छोटा सा कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' यह एक प्रेम कहानी है। 'द माउंटेन स्टोरी' 14 फरवरी को खुलेगा। कंगना ने कहा, यह मेरे जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है, यह मेरा ही विस्तार है, कुछ ऐसा जो ना केवल मेरे दिल के करीब है, बल्कि मेरी जड़ों के भी करीब है और मुझे 'द माउंटेन स्टोरी' के जरिए इसका अनुभव मिलने का अवसर मिला, जिसे पाकर मैं गर्व महसूस कर रही हूं। कंगना से पहले अन्य कई हस्तियां रेस्टोरेंट, कैफे और होटल खोल चुकी हैं। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा, करण जौहर, शिल्पा शेट्टी, रकुल प्रीत सिंह, सनी लियोन, धर्मेंद्र, आशा भोसले और बॉबी देओल समेत अन्य हस्तियों के नाम शामिल हैं।

रश्मिका मंदाना ने किया विजय का बचाव! एक दिन पहले निशाने पर थे एक्टर

साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने एक पोस्ट शेयर किया है। ये पोस्ट दयालुता को लेकर है। ये ठीक एक दिन बाद पोस्ट किया है, जब रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा की आलोचना हुई थी। उन्होंने रश्मिका की मदद नहीं की थी। ये बात फैंस को रास नहीं आई। पढ़ें ये रिपोर्ट। साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले उनके पैर में चोट लग गई थी। तीन फ्रैक्चर हुए, जिसके बाद उन्हें चलने-फिरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच उनका रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उनकी मदद ना करने के कारण एक्टर को ट्रोल होना पड़ा था।

पूजा बच्चों की फिल्म में करना चाहती हैं काम

अभिनेत्री पूजा हेगड़े हालिया रिलीज 'देवा' में शाहिद कपूर के साथ नजर आईं। वह फिल्म में सुपरहीरो का किरदार भी निभाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह एक्शन, बच्चों की फिल्म और सुपरहीरो के तौर पर भी फिल्म में काम करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, मैं एक एक्शन फिल्म करना चाहती हूं जिसमें मैं एक्शन करना चाहती हूं।

मुझे दिलचस्प किरदार निभाना पसंद है। मैं पिता-बेटी या मां-बेटी की कहानी के साथ दोस्ती जैसे विषयों पर बनी फिल्मों में काम करना भी पसंद करूंगी। पूजा ने बताया कि वह बच्चों की फिल्म करना चाहती हैं, क्योंकि देश में इस शैली पर ज्यादा काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मैं बच्चों के लिए कुछ करना चाहती हूं क्योंकि बचपन से ही मुझे हैरी पॉटर और जादू से जुड़ी कुछ फिल्में देखना बहुत पसंद है। यह एक ऐसी शैली है, जिसे हमने भारत में बहुत ज्यादा नहीं अपनाया। मैं किसी दिन कैप्टन मार्वल जैसी कहानी भी करना चाहूंगी, जिसमें मैं सुपरहीरो की भूमिका में नजर आऊंगी। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर महिला कलाकारों के लिए अच्छी भूमिका का होना जरूरी है। उन्होंने कहा, हम फिल्में देखना क्यों पसंद करते हैं, या तो हम खुद को फिल्म के हीरो की तरह देखना चाहते हैं या फिर हमें लगता है कि हम जिस व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, वह हमसे जुड़ पा रहा है। हमें लगता है कि 'यह मेरे जैसा है' या फिर हम स्क्रीन पर दिखने वाले लोगों से प्रेरणा लेना चाहते हैं या मजबूत बनना चाहते हैं और महिलाओं के लिए अच्छे किरदार होना जरूरी है, जिन्हें वे अपना आदर्श मान सकें। मुझे अभी बहुत कुछ करना है।

साभार एजेंसी

नेशनल गेम्स

बलराज पंवार चमके, पुरुष एकल स्कल में 07 मिनट और 26.68 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता

टिहरी (उत्तराखंड), एजेंसी। मध्य प्रदेश को उभरती हुई नौकाचालक खुशप्रीत कौर ने 8:40.35 के समय के साथ महिला एकल स्कल में पहला स्वर्ण दिलाया। महाराष्ट्र की मृण्मयी नीलेश (8:47.65) और अंडमान और निकोबार की अमृता मिंज (8ः48.18) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। पिछले साल चीन में एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूकने वाले पेरिस ओलंपियन बलराज पंवार ने बुधवार को राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की एकल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा में जन्मे पंवार ने सेना के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए सात मिनट और 26.68 सेकंड में दो किमी की दूरी पूरी कर अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया। उत्तराखंड के नवदीप सिंह (7:41.17) और महाराष्ट्र के गुरु प्रताप सिंह (8:04.01) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन पंवार ने पिछले साल हांग्झोऊ एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। पंवार ने 2023 गोवा राष्ट्रीय खेलों में 6:28.5 के समय के साथ पुरुष एकल स्कल स्वर्ण जीता था। मध्य प्रदेश को उभरती हुई नौकाचालक खुशप्रीत कौर ने 8:40.35 के समय के साथ महिला एकल स्कल में पहला स्वर्ण दिलाया। महाराष्ट्र की मृण्मयी नीलेश (8:47.65) और अंडमान और निकोबार की अमृता मिंज (8:48.18) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

सुरुची को स्वर्ण, 10 मीटर एयर पिस्टल में हरियाणा का दबदबा

हरियाणा की सुरुची ने बुधवार को राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 245.7 अंक के साथ महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की ही पलक ने 243.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर बरार ने त्रिशूल निशानेबाजी रेंज में 218.8 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर क्वालीफाइंग दौर के बाद 598 अंक के साथ शीर्ष पर रहे। स्पर्धा में 33 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें से आठ ने फाइनल में जगह बनाई। तोमर के अलावा सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591) और निशान बुद्धा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और एसएससीबी के गंगा सिंह (587) ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स स्पर्धा का फाइनल बृहस्पतिवार को होगा।

चैंपियंस ट्रॉफीः

अंपायर नितिन मेनन का पाकिस्तान जाने से इनकार

रैफरी श्रीनाथ ने भी छुट्टी मांगी, कहा- 4 महीने से परिवार से दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व गेंदबाज और आईसीसी रेफरी जवागल श्रीनाथ और अंपायर नितिन मेनन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान नहीं जाएंगे। मेनन ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया। वहीं, श्रीनाथ ने एक अखबार से बातचीत में कहा है कि उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान आईसीसी से छुट्टी मांगी थी क्योंकि वह पिछले चार महीनों से सीरीज के लिए घर से बाहर थे। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और दुबई में होना है। इस बार चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल में खेली जा रही है। टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। नितिन मेनन नहीं जाएंगे पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र के बताया, मेनन ने पाकिस्तान की यात्रा न करने का फैसला किया है। उन्होंने निजी कारणों से अपना नाम वापस ले लिया। मेनन आईसीसी नियमों के कारण दुबई में अंपायरिंग नहीं कर सकते थे। नियमों के मुताबिक दो टीमों के बीच किसी भी मैच में अपने-अपने देश के अंपायर नहीं हो सकते। भारत सभी मैच दुबई में खेलेगा, ऐसे में वह इन मैचों में अंपायरिंग नहीं कर सकते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी मेनन को चैंपियंस ट्रॉफी रोस्टर में रखना चाहती थी, लेकिन उन्होंने निजी कारणों से पाकिस्तान की यात्रा न करने का फैसला किया। नितिन मेनन का करियर नितिन मेनन ने अब तक 40 टेस्ट में अंपायरिंग की है। इनमें वह 30 बार मैदान और 10 बार टीवी अंपायर रहे। वनडे में मेनन 75 मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं। वहीं, टी-20 में भी उन्होंने 75 मैचों में अंपायरिंग की है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 12 अंपायरों और 3 मैच रेफरी की लिस्ट जारी की मेनन के इंकार करने के बाद आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंपायरों की लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में 12 अंपायर और 3 मैच रेफरी के नाम का ऐलान किया है। जिसमें कोई भी भारतीय शामिल नहीं है। हालांकि, आईसीसी ने मेनन पर कोई टिप्पणी नहीं की। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, 12 अंपायरों का एक पैनल आठ टीम के इस टूर्नामेंट में अंपायरिंग करेगा जिसमें से छह अंपायर 2017 में शामिल थे।

लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार: पीसीबी

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में नवीनीकरण और आधुनिकीकरण का काम 117 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा हो गया है और अब यह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी सहित अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है। पीसीबी ने एक बयान में कहा कि स्टेडियम में अब बेहतर सुविधाएं, नई फ्लडलाइट्स, हॉस्पिटैलिटी बॉक्स, अधिक दर्शकों के बैठने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड और शीर्ष स्तर के एलईडी टावर हैं। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा, 'मैं उन सभी लोगों का आभारी हूं जिन्होंने आशंकाओं और आलोचनाओं के बावजूद स्टेडियम को समय पर तैयार करने के लिए दिन-रात काम किया। हाल ही में यह बताया गया था कि पीसीबी काम पूरा करने में कम से कम पांच सप्ताह पीछे चल रहा है। पीसीबी को 12 फरवरी तक स्टेडियम को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को सौंपना है क्योंकि टूर्नामेंट एक सप्ताह बाद शुरू होगा। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ शुक्रवार को एक समारोह के दौरान स्टेडियम का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे जहां अली जफर, आइमा बेग और आरिफ लोहार जैसे प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे। नकवी ने कहा, 'मैं उन लगभग 1000 श्रमिकों का विशेष रूप से आभारी हूं जिन्होंने इस सपने को संभव बनाया है। नए स्टेडियम का परीक्षण आठ फरवरी को होगा जब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड त्रिकोणीय श्रृंखला का पहला मैच खेलेंगे जिसकी तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका है। पीसीबी 11 फरवरी को कराची में राष्ट्रीय स्टेडियम का उद्घाटन करेगा जिसमें राष्ट्रपति आसिफ जरदारी के शामिल होने की उम्मीद है। नकवी ने स्वीकार किया है कि लाहौर, कराची और रावलपिंडी में तीन स्टेडियमों के आधुनिकीकरण का खर्च शुरुआती आवंटित बजट से अधिक हो गया है लेकिन उन्होंने कहा कि नए अत्याधुनिक स्थल भविष्य में पाकिस्तान क्रिकेट को अच्छी सेवा प्रदान करेंगे।

पीसीबी ने शुरू में नवीनीकरण कार्य के लिए 12 अरब 80 लाख रुपये आवंटित किए थे लेकिन बजट 18 अरब रुपये से अधिक बताया जा रहा है। पीसीबी ने कहा कि इस कार्य के लिए सरकार सहित किसी अन्य स्रोत से कोई वित्तीय सहायता नहीं ली गई।

एलेक्स हेल्स ने किया बड़ा कमाल

टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बने दूसरे बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए. हेल्स इन दिनों इंटरनेशनल लीग टी20 में डेजर्ट वाइपर के लिए खेल रहे हैं. टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर डेजर्ज वाइपर और दुबई कैपिटल्स के बीच खेला गया. इसी मुकाबले में हेल्स टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने. मुकाबले में हेल्स ने 32 गेंदों में 5 चौके और 6 छक्कों की मदद से 67 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसकी बदौलत उन्होंने पोलार्ड का रिकॉर्ड धराशाई किया. हेल्स ने अपने टी20 करियर में 13,558 रन बना लिए हैं. वहीं वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड ने अपने टी20 करियर में 13,537 रन स्कोर कर लिए हैं. बताते चलें कि पोलार्ड भी इंटरनेशनल लीग टी20 में खेल रहे हैं. पोलार्ड एमआई एमिरेट्स के लिए खेल रहे हैं. टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल 14,562 रनों के साथ अव्वल नंबर पर हैं. हेल्स ने मई, 2009 में टी20 डेब्यू किया था।

विराट कोहली ने 939 दिन बाद इंजरी के कारण मिस किया वनडे

जानें इससे पहले कब हुए थे बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले जा रहे पहले वनडे में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस के वक्त बताया कि घुटने में समस्या के कारण विराट कोहली मुकाबले में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं. यह करीब 939 दिन बाद दूसरा ऐसा मौका है कि जब विराट कोहली ने इंजरी के कारण वनडे मैच मिस किया. तो आइए जानते हैं कि इससे पहले ऐसा कब हुआ था. मुकाबले में टॉस के दौरान रोहित शर्मा ने विराट कोहली के बाहर होने के बारे में कहा, दुर्भाग्य से विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं. उन्हें पिछली रात घुटने में समस्या हो गई थी.

2025 से पहले इंजरी के कारण कब बाहर हुए थे कोहली - भारतीय टीम ने 2022 जून-जुलाई में तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा किया था. इस दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में विराट कोहली इंजरी के कारण नहीं खेल सके थे. यह मुकाबला 12 जुलाई को केनिंगटन ओवल में खेला गया था. इसके बाद से आज यानी 6 फरवरी, 2025 को दूसरा मौका आया है जब विराट कोहली किसी तरह की इंजरी के कारण टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं. हालांकि फिर सीरीज के दूसरे मुकाबले में विराट कोहली ने टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में वापसी कर ली थी.

विराट कोहली का वनडे करियर - गौरतलब है कि विराट कोहली ने अब तक अपने करियर में 295 वनडे खेल लिए हैं. इन मैचों की 283 पारियों में बैटिंग करते हुए उन्होंने 58.18 की औसत से 13906 रन बना लिए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 50 शतक और 72 अर्धशतक निकल चुके हैं, जिसमें हाई स्कोर 183 रनों का रहा है. कोहली ने अगस्त, 2008 में वनडे डेब्यू किया था. बैटिंग के अलावा कोहली ने गेंदबाजी से भी वनडे में कुछ योगदान दिया है. उन्होंने 50 पारियों में पार्ट टाइमर के रूप में गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए हैं.

इधर काव्या मारन ने 1000 करोड़ किए खर्च, उधर मिल गई गजब गुड न्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। काव्या मारन के लिए 5 फरवरी 2025 लाजवाब गुजरा. क्योंकि, इस दिन एक नहीं बल्कि दो गुड न्यूज उनकी झोली में गिरी. एक तरफ जहां उन्होंने 1000 करोड़ रुपये खर्च कर इंग्लैंड की लीग 'द हण्ड्रेड' में टीम खरीदी. वहीं दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की टी-20 लीग में हिचकोले खा रही उनकी टीम को फाइनल में पहुंचने का रास्ता मिल गया है. उसने 5 फरवरी को एलिमिनेटर मुकाबला जीतकर अपने फाइनल खेलने और तीसरी बार चैंपियन बनने की उम्मीदों को जिंदा रखा है. एसए-20 में काव्या मारन की टीम सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने एलिमिनेटर मैच में जोबर्ग सुपरकिंग्स को शिकस्त दी.

चले कप्तान, काव्या मारन की टीम की बढ़ी शान - एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने पहले बल्लेबाजी की थी. उसने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन बनाए थे. सनराइजर्स की ओर से उसके कप्तान एडन मारक्रम ने कमाल की नाबाद पारी खेली और सबसे ज्यादा 40 गेंदों पर 62 रन बनाए. कप्तान मारक्रम की इनिंग में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. सनराइजर्स की बल्लेबाजी की खूबी ये रही कि उसके हरेक बल्लेबाज ने डबल डिजिट में स्कोर किया.

अब जोबर्ग सुपरकिंग्स के सामने जीत के लिए 185 रन बनाने का लक्ष्य था. मगर वो इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन ही बना सके और 32 रन से मुकाबला हार गए. अब जैसा कि मुकाबला ही एलिमिनेटर था तो इसमें हार के साथ ही जोबर्ग सुपर किंग्स खिताब की रेस से बाहर हो गई. वहीं जीत के साथ सनराइजर्स ईस्टर्न कैप को क्वालिफायर 2 खेलने का लाइसेंस मिल गया, जिसे जीतकर उसके पास फाइनल में जाने का मौका होगा. सनराइजर्स को एलिमिनेटर में मिली जीत के हीरो खुद उसके कप्तान एडन मारक्रम बने.

नॉर्दन सुपरचार्जर्स में 100 फीसद हिस्सेदारी खरीदी - काव्या मारन की एसए-20 में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप का एलिमिनेटर जीतना दोहरी खुशी जैसा रहा. इसी तरह की खुशी उन्हें इंग्लैंड की द हण्ड्रेड लीग में टीम खरीदकर मिली है. उन्होंने 100 गेंदों वाली लीग में नॉर्दर्न सुपर चार्जर्स की 100 फीसद हिस्सेदारी करीब 1000 रुपये खर्च कर खरीदी है।

2028 ओलंपिक की तैयारी, ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर प्रतिबंध के लिए आईओसी पर दबाव डालेगा ट्रंप प्रशासन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ट्रांसजेंडर एथलीटों के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति तक ले जाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने बुधवार को महिला खेलों में ट्रांसजेंडर एथलीटों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन चाहता है कि लॉस एंजिलिस में 2028 के ग्रीष्मकालीन खेलों से पहले आईओसी ओलंपिक और इस बिल्कुल हास्यास्पद विषय से जुड़ी हर चीज को बदल दे।

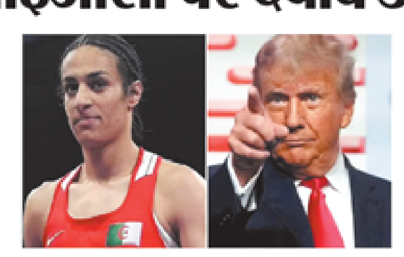

पात्रता लिंग के मुताबिक निर्धारित की जाती है - यह आदेश राज्य के सचिव के कार्यालय को आईओसी पर ओलंपिक खेल आयोजनों को नियंत्रित करने वाले मानकों में संशोधन करने के लिए दबाव डालने का अधिकार देता है। इसके मुताबिक, महिला एथलीटों की निष्पक्षता, सुरक्षा और सर्वोत्तम हितों को बढ़ावा देना सर्वोपरि है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं के खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए पात्रता लिंग के मुताबिक निर्धारित की जाती है, न कि लिंग पहचान या टेस्टोस्टेरोन में कमी के अनुसार।

मार्कस स्टोइनिस ने वनडे से अचानक लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने आश्चर्यजनक रूप से तत्काल प्रभाव से एक दिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को कहा कि स्टोइनिस टी20 में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि 50 ओवर के प्रारूप से संन्यास लेने का उनका फैसला टी20 क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है। वनडे से स्टोइनिस के संन्यास का मतलब यह भी है कि सीए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करेगा। स्टोइनिस ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे क्रिकेट खेलना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और मैं टीम की जर्सी में बिताए हर पल के लिए आभारी हूं। उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए काफी खास है। जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। स्टोइनिस ने एक बयान में कहा, यह कोई आसान फैसला नहीं था, लेकिन मेरा मानना है कि मेरे लिए वनडे से दूर रहने और अपने करियर के अगले अध्याय पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने का यह सही समय है। रॉन (एंड्रयू मैकडोनाल्ड) के साथ मेरे शानदार संबंध हैं और मैं उनके सपोर्ट की बहुत सराहना करता हूं। मैं पाकिस्तान में टीम का उत्साहवर्धन करूंगा। स्टोइनिस का ऑस्ट्रेलिया ने वनडे करियर की शुरुआत 2015 में ओल्ड ट्रैफर्ड से की थी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बतौर ऑल राउंडर बल्ले और गेंद से जौहर दिखाया। इसी दौरे पर उन्होंने अपना पहला टी20 मैच भी खेला था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में खुद को स्थापित करने के लिए उन्हें अगले साल तक इंतजार करना पड़ा, जो उन्हें ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 146 रन बनाकर और तीन विकेट लेकर मिला।

हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, स्टोइनिस भारत में 2023 में होने वाले वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा थे और उन्हें 2018-19 में देश का वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। वह पिछले एक दशक से हमारे वनडे सेटअप का अहम हिस्सा रहे हैं। वह न केवल एक अमूल्य खिलाड़ी रहे हैं, बल्कि टीम में शामिल होने वाले एक अविश्वसनीय व्यक्ति भी हैं। वह एक स्वाभाविक लीडर, एक असाधारण लोकप्रिय खिलाड़ी और एक महान व्यक्ति हैं। उन्हें उनके वनडे करियर और उनकी सभी उपलब्धियों के लिए बधाई दी जानी चाहिए। चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से सिर्फ दो सप्ताह पहले स्टोइनिस के वनडे से संन्यास लेने और पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के चोटिल होने की चिंताओं के मद्देनजर सीए ने कहा कि राष्ट्रीय चयन पैनल (एनएसपी) श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के समापन के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम को अंतिम रूप देगा। ऑस्ट्रेलिया पहले ही ऑलराउंडर मिशेल मार्श को पीठ की चोट के कारण खो चुका है और स्टोइनिस के वनडे से बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया के पास बेस्ट 15 का चयन करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 12 फरवरी तक आईसीसी को 15 सदस्यीय टीम का नाम सौंपना है।

ट्रंप की नीतियों, एलन मस्क के खिलाफ अमेरिका के कई शहरों में प्रदर्शन

» वाशिंगटन, भाषा।

ट्रंप प्रशासन की शुरुआती कार्वाइयों के खिलाफ बुधवार को अमेरिका के कई शहरों में लोग सड़कों पर एकत्र हुए और विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप प्रशासन की ओर से प्रवासियों के खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई से लेकर ट्रांसजेंडर अधिकारों को वापस लेने और गाजा पट्टी से फलस्तीनियों को जबरन स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की निंदा की। फिलाडेल्फिया, कैलिफोर्निया, मिनेसोटा, मिशिगन, टेक्सास, विस्कॉन्सिन, इंडियाना और कई अन्य शहरों में प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निंदा करते हुए पोस्टर लहराए। ओहायो के कोलंबस में स्टेटहाउस के बाहर विरोध-प्रदर्शन में शामिल मार्गरेट विल्मेथ ने कहा, मैं पिछले दो सप्ताह में लोकतंत्र में हुए बदलावों से चकित हूं, लेकिन यह बहुत पहले शुरू हो गया था। विल्मेथ ने कहा कि वह सिर्फ प्रतिरोध में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं।

विरोध-प्रदर्शन सोशल मीडिया पर हैशटैग बिल्डदरेजिस्टेंस और हैशटैग 50501 के तहत चलाए गए एक ऑनलाइन आंदोलन का परिणाम था। हैशटैग 50501 के तहत एक दिन में 50 राज्यों में 50 विरोध-प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया था। सोशल मीडिया पर कई वेबसाइट और अकाउंट पर फासीवाद को अस्वीकार करें और हमारे लोकतंत्र की रक्षा करें जैसे संदेशों के साथ कार्रवाई का आह्वान किया गया। जमा देने वाली ठंड में भी मिशिगन की राजधानी लांसिंग के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। एन आर्बर क्षेत्र की कैटी मिग्लिएट्टी ने कहा कि वित्त विभाग के डेटा तक मस्क की पहुंच विशेष रूप से चिंताजनक है। उन्होंने एक चित्र थाम रखा था, जिसमें मस्क को ट्रंप को कठपुतली की तरह नचाते हुए दिखाया गया है। मिग्लिएट्टी ने कहा, अगर हम इसे नहीं रोकते हैं और संसद से कुछ करने के लिए नहीं कहते हैं, तो यह लोकतंत्र पर हमला है। कई शहरों में प्रदर्शन के दौरान मस्क और सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) की आलोचना की गई। मिसौरी की राजधानी जेफरसन में सीढ़ियों पर लगाए गए एक पोस्टर में लिखा था, डीओजीई वैध नहीं है। इसमें सवाल किया गया था कि एलन मस्क के पास हमारी सामाजिक सुरक्षा की जानकारी क्यों है। संसद सदस्यों ने भी चिंता व्यक्त की है कि अमेरिकी सरकार की भुगतान प्रणाली के साथ डीओजीई की भागीदारी से सुरक्षा जोखिम हो सकता है या सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसे कार्यक्रमों के भुगतान में चूक हो सकती है।अलबामा में एलजीबीटीक्यू-प्लस लोगों को निशाना बनाने वाली कार्रवाई का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग स्टेटहाउस के बाहर एकत्र हुए। मंगलवार को अलबामा के गवर्नर के इवे ने घोषणा की थी कि वह उस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे, जो केवल दो लिंग (पुरुष और महिला) को मान्यता देता है। इवे की यह घोषणा संघीय सरकार द्वारा लिंग को केवल पुरुष या महिला के रूप में परिभाषित करने से जुड़े ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेश के समरूप है।

ट्रंप ने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को लड़कियों, महिलाओं के खेलों से बाहर करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को लड़कियों और महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित करना है। पुरुषों को महिलाओं के खेलों से दूर रखना शीर्षक वाला यह आदेश संघीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक छूट देता है कि संघीय वित्त पोषण प्राप्त करने वाली संस्थाएं ट्रंप प्रशासन के दृष्टिकोण के अनुरूप उस नियम का पालन करें, जो व्यक्ति के जन्म के समय निर्धारित लिंग को ही मान्यता दे।ट्रंप ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) के ईस्ट रूम में एक हस्ताक्षर समारोह में कहा, इस शासकीय आदेश के साथ महिलाओं के खेलों पर विवाद समाप्त हो गया है। इस समारोह में पूर्व कॉलेजिएट तैराक रिले गेन्स सहित कई सांसद और महिला खिलाड़ी मौजूद थे, जो प्रतिबंध के समर्थन में सामने आए थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह आदेश नियमों के अनुरूप है और इससे महिलाओं को एकल-लिंग खेल और एकल-लिंग लॉकर रूम से वंचित करने वाले स्कूलों एवं एथलेटिक संघों के खिलाफ कार्रवाई करना संभव हो पाएगा। ट्रंप का यह शासकीय आदेश ऐसे समय में आया है, जब राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन होने वाला है।

मार्कोस ने अमेरिका के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा दिया

मार्कोस की हत्या संबंधी टिप्पणी के लिए फिलीपीन की उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया गया

» मनीला, भाषा।

फिलीपीन की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे के खिलाफ बुधवार को महाभियोग की कार्यवाही की गई। डुटेर्टे पर राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर की हत्या की साजिश रचने, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने और विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन की सेना के खिलाफ चीन की आक्रामक कार्रवाई की कड़ी निंदा करने में विफल रहने के आरोप हैं। प्रतिनिधि सभा के सांसदों के इस कदम से एशियाई देश के दो सर्वोच्च नेताओं के बीच राजनीतिक दरार और गहरा गई है। उपराष्ट्रपति के महाभियोग की कार्यवाही का समर्थन करने वाले प्रतिनिधि सभा के सांसदों में से कई राष्ट्रपति मार्कोस के सहयोगी हैं। मार्कोस ने अमेरिका के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा दिया है, जबकि उपराष्ट्रपति के पिता पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटेर्टे ने 2022 में समाप्त हुए अपने कार्यकाल के दौरान चीन और रूस के साथ मधुर संबंध कायम करने पर जोर दिया था।

सारा डुटर्टे ने अपने महाभियोग पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनके भाई एवं सांसद पाओलो डुटर्टे ने कहा कि यह स्पष्ट तौर पर राजनीतिक उत्पीड़न की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी सांसदों ने प्रस्ताव पर जल्द हस्ताक्षर करवाने और सीनेट में बेबुनियाद महाभियोग मामले को आगे बढ़ाने के लिए तिकड़मबाजी की। डुटर्टे ने बार-बार मार्कोस, उनकी पत्नी और उनके रिश्तेदार प्रतिनिधि सभा के स्पीकर मार्टिन रोमुअलडेज पर भ्रष्टाचार, कमजोर नेतृत्व और उन्हें चुप कराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मार्कोस का कार्यकाल 2028 में समाप्त होने वाला है और उनके बाद डुटेर्टे को राष्ट्रपति पद का संभावित दावेदार माना जाता है। प्रतिनिधि सभा के महासचिव रेजिनाल्ड वेलास्को ने कांग्रेस (फिलीपीन की संसद) के निचले सदन की एक पूर्ण बैठक में बताया कि कम से कम 215 सांसदों ने डुटेर्टे पर महाभियोग चलाने से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जो सदन द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग चलाने पर विचार करने के लिए पर्याप्त संख्या है। सदन के सांसदों से पर्याप्त समर्थन मिलने के बाद महाभियोग की शिकायत को सीनेट को भेजने का आदेश दिया गया, जो एक महाभियोग न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करेगी और उपराष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा चलाएगी।

अर्जेंटीना विश्व स्वास्थ्य संगठन का हिस्सा नहीं रहेगा : राष्ट्रपति जेवियर माइली

» ब्यूनस आयर्स, भाषा।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ गंभीर मतभेदों के कारण संयुक्त राष्ट्र एजेंसी से अपने देश के हटने का आदेश दिया है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति जेवियर माइली का निर्णय उनके सहयोगी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय से मेल खाता है, जिन्होंने 21 जनवरी को पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर कर अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। डब्ल्यूएचओ से एक और सदस्य देश के चले जाने से वैश्विक स्वास्थ्य में सहयोग और अधिक कम हो जाएगा। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन को 2024-2025 के लिए अनुमानित 6.9 अरब डॉलर बजट में से अर्जेंटीना से केवल लगभग 80 लाख अमेरिकी डॉलर मिलने की अपेक्षा की गई थी।

अर्जेंटीना के प्रवक्ता मैनुअल एडोर्नी ने ब्यूनस आयर्स में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अर्जेंटीना का निर्णय खासकर (कोविड-19) महामारी के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन में गहरे मतभेदों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि उस समय डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के कारण मानव जाति के इतिहास में सबसे बड़ा बंद हुआ। डब्ल्यूएचओ के पास देशों को विशिष्ट स्वास्थ्य कार्रवाई करने के लिए बाध्य करने का कोई अधिकार नहीं है और संगठन के दिशा-निर्देशों एवं सिफारिशों, जिसमें कोविड-19 जैसे स्वास्थ्य संकट भी शामिल हैं, की अक्सर अवहेलना की जाती है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वह अर्जेंटीना की घोषणा पर विचार कर रहा है। एडोर्नी ने यह नहीं बताया कि माइली का निर्णय कब लागू होगा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि कुछ देशों के राजनीतिक प्रभाव के कारण डब्ल्यूएचओ की स्वतंत्रता में कमी आई है। डब्ल्यूएचओ एकमात्र ऐसा संगठन है जिसे गंभीर स्वास्थ्य संकटों, विशेष रूप से नई बीमारियों के प्रकोप और इबोला, एड्स एवं मंकी पॉक्स सहित मौजूदा स्वास्थ्य खतरों के प्रति वैश्विक प्रतिक्रियाओं के समन्वय का अधिकार दिया गया है।

ट्रंप फलस्तीनियों को अस्थाई रूप से ही गाजा से बाहर बसाना चाहते हैं : अमेरिकी अधिकारी

ग्वाटेमाला सिटी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष राजनयिक और उनकी मुख्य प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि ट्रंप फलस्तीनियों को अस्थाई रूप से ही गाजा पट्टी से बाहर निकालकर किसी और जगह पर बसाना चाहते हैं। दोनों अधिकारियों की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब गाजा पट्टी पर स्वामित्व स्थापित करने और फलस्तीनी निवासियों को वहां से बाहर निकालकर स्थाई रूप से कहीं और बसाने के ट्रंप के प्रस्ताव का अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी विरोध किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने केवल युद्ध प्रभावित गाजा पट्टी का पुनर्विकास सुनिश्चित करने के लिए लगभग 18 लाख गाजा वासियों को अस्थाई रूप से कहीं और स्थानांतरित करने का सुझाव दिया। फलस्तीनियों ने ट्रंप के इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की है। उन्हें डर है कि अगर वह गाजा पट्टी से कहीं और जाने को तैयार हुए, तो उन्हें कभी वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने जिन अरब देशों से गाजा में रहने वाले फलस्तीनियों को अपने यहां बसाने का अनुरोध किया है, उन्होंने भी इस प्रस्ताव का विरोध किया है। बतौर विदेश मंत्री अपनी पहली विदेश यात्रा पर ग्वाटेमाला सिटी पहुंचे रूबियो ने ट्रंप के प्रस्ताव को बहुत उदार प्रस्ताव बताया, जिसका मकसद इजराइल और हमास के बीच लगभग 15 महीने पहले शुरू हुए युद्ध से तबाह गाजा पट्टी से मलबा हटाना और उसका पुनर्विकास सुनिश्चित करना है। रूबिया ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, गाजा पट्टी के पुनर्विकास की प्रक्रिया के दौरान जाहिर तौर पर लोगों को कहीं न कहीं रहना होगा। वहीं, वाशिंगटन में अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में लेविट ने कहा कि गाजा एक विध्वंस स्थल में तब्दील हो गया है और वहां बड़े पैमाने पर मची तबाही का मंजर किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा, गाजा इंसानों के लिए रहने लायक नहीं रह गया है और ऐसे गंभीर हालात में लोगों को वहां रहने का सुझाव देना कहीं से भी ठीक नहीं होगा। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए लोगों को वहां से अस्थाई तौर पर निकालना होगा। ट्रंप ने मंगलवार को कहा था, अमेरिका गाजा पट्टी पर स्वामित्व स्थापित करेगा। हम इस क्षेत्र के स्वामी होंगे और वहां सभी खतरनाक हथियारों एवं बम को नष्ट करने के साथ ही क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे को हटाने तथा आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे, जो असीमित संख्या में नौकरियां उपलब्ध कराएगा।

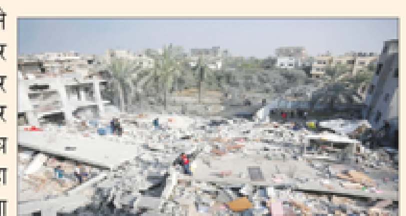

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान : चीनी मिल भ्रष्टाचार मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा बरी

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज को आठ साल पुराने भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। शिकायतकर्ता द्वारा खुद को इस मामले से अलग करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। भ्रष्टाचार निरोधक अदालत के न्यायाधीश सरदार मोहम्मद इकबाल ने फैसला सुनाया, जिसे सोमवार को सुरक्षित रखा गया था। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, लाहौर की एक भ्रष्टाचार निरोधक अदालत ने आज प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज को रमजान शुगर मिल भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया, क्योंकि शिकायतकर्ता ने खुद को मामले से अलग कर लिया था।

शिकायतकर्ता जुल्फिकार अली ने न्यायाधीश से कहा कि उन्होंने न तो शरीफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और न ही उन्हें उस आवेदन की जानकारी है जिसके आधार पर मामला शुरू किया गया। एक राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा, शिकायतकर्ता के बयान से पता चलता है कि विरोध का सामना करने पर कैसे सेना राजनेताओं को विभिन्न मामलों में फंसाती है और एक बार जब वे उसके पक्ष में हो जाते हैं तो ऐसे मामलों को कुछ ही समय में उलट दिया जाता है। वर्ष 2018 में, राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने शरीफ और हमजा के खिलाफ पद का दुरुपयोग करके राष्ट्रीय खजाने को 20 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से अधिक का नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। हमजा और उनके छोटे भाई सुलेमान पंजाब प्रांत की रमजान शुगर मिल के मालिक हैं।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने अवामी लीग के नेताओं के घरों को निशाना बनाया

» नई दिल्ली, भाषा।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं के घरों में तोड़फोड़ की और देश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित एक स्मारक में तोड़फोड़ के साथ ही उनके भित्ती चित्रों को नुकसान पहुंचाया। सोशल मीडिया पर बुलडोजर जुलूस के आह्वान के बाद देश की राजधानी ढाका के धानमंडी इलाके में मुजीबुर रहमान के आवास के बाहर बुधवार रात बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ और आगजनी की घटना को उस समय अंजाम दिया।

जब मुजीबुर रहमान की बेटी और अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना लोगों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करने वाली थीं। बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में भी तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। हसीना ने बुधवार रात अपने संबोधन में कहा, वे एक इमारत को ध्वस्त कर सकते हैं, लेकिन इतिहास को नहीं...बल्कि उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि इतिहास अपना बदला लेता है। हसीना के घर के बगल के भूखंड में बने अवामी लीग से जुड़े कई संगठनों के कार्यालय भी ध्वस्त कर दिए गए है। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने मुजीबुर रहमान के भित्तिचित्रों को भी विरूपित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बुधवार रात धानमंडी में रोड पांच स्थित हसीना के दिवंगत पति वाजिद मियां के आवास सुधा सदन में भी आग लगा दी। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद हसीना के पिछले साल पांच अगस्त को देश छोड़कर चले जाने के बाद से यह आवास खाली पड़ा था। ढाका की घटना के बाद बांग्लादेश के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शनकारी तोड़फोड़ और आगजनी को अंजाम करते देखे गए। खबर के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने खुलना शहर में हसीना के रिश्तेदारों शेख हलाल उद्दीन और शेख सलाउद्दीन जेवेल के घरों में भी तोड़फोड की। इस दौरान, उन्होंने दिल्ली या ढाका-ढाका, ढाका और मुजीबवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। शेख हलाल बागेरहाट-1 से, जबकि शेख सलाउद्दीन, खुलना-2 से सांसद रह चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने ढाका विश्वविद्यालय के बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल से रहमान का नाम मिटा दिया। कुश्तिया-3 के पूर्व सांसद और अवामी लीग के संयुक्त महासचिव महबूबुल आलम हनीफ और अवामी लीग की कुश्तिया इकाई अध्यक्ष सदर खान के घरों में तोड़फोड़ की गई। चटगांव में, प्रदर्शनकारियों ने हसीना के संबोधन के खिलाफ मशाल जुलूस निकाला। उन्होंने चटगांव मेडिकल कॉलेज और शहर के जमाल खान इलाके में शेख मुजीबुर रहमान के भित्ती चित्रों को विरूपित किया।

बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की गतिविधियों को लेकर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया

ढाका । बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त के समक्ष विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की झूठी और मनगढ़ंत टिप्पणियां ढाका के प्रति शत्रुतापूर्ण कृत्य हैं। हसीना ने बुधवार को भारत में अपने निर्वासन के दौरान अपने समर्थकों को ऑनलाइन तरीके से संबोधित किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार विदेश मंत्रालय ने यहां भारत से कहा कि वह आपसी सम्मान और समझ की भावना के अनुरूप तुरंत उचित कदम उठाए, ताकि उन्हें (हसीना) भारत में रहते हुए सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का इस्तेमाल करके इस तरह के झूठे, मनगढ़ंत और भड़काऊ बयान देने से रोका जा सके। यह घटनाक्रम हसीना द्वारा बुधवार रात सोशल मीडिया के माध्यम से दिए गए भाषण के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने देशवासियों से मौजूदा शासन के खिलाफ संगठित तौर पर प्रतिरोध का आह्वान किया था। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित आवास में बुधवार को प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह ने तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। यह तोड़फोड़ उस समय की गई थी जब उनकी बेटी एवं अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ऑनलाइन तरीके से लोगों को संबोधित कर रही थीं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने भारत सरकार के समक्ष हसीना द्वारा सोशल मीडिया समेत विभिन्न मंचों पर लगातार की जा रही झूठी मनगढ़ंत टिप्पणियों और बयानों को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

पाकिस्तान में चेक पोस्ट पर हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह बंदूकधारियों ने एक पुलिस चेक पोस्ट (जांच चौकी) पर हमला कर दिया, जिससे तीन पुलिसकर्मी मारे गए जबकि पांच घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में बहादुर खेल चेक पोस्ट पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों को करक के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, गंभीर रूप से घायल तीन पुलिसकर्मियों को पेशावर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इसके अनुसार, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा की और मारे गए अधिकारियों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस हमले के लिए पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हमले की निंदा की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले महीने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को खत्म करने की आवश्यकता पर बल दिया था। टीटीपी एक आतंकवादी समूह है और यह कई नागरिकों तथा सुरक्षाबलों पर हमले के लिए जिम्मेदार है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के दो-राष्ट्र समाधान की एक बार फिर वकालत की

किसी भी तरह के जातीय सफाए से बचना जरूरी : गुतारेस

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी पर स्वामित्व स्थापित करने का प्रस्ताव देने के एक दिन बाद संयुक्त राष्ट्र (संरा) महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने बुधवार को कहा कि किसी भी तरह के जातीय सफाए से बचना जरूरी है। गुतारेस ने इसी के साथ इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के दो-राष्ट्र समाधान की एक बार फिर वकालत की। जातीय सफाए का मतलब किसी शक्तिशाली पक्ष की ओर से किसी जातीय समूह को उसकी भूमि से जबरन हटाने और कभी-कभी उसकी जगह किसी अन्य जनसांख्यिकीय समूह को वहां बसाने से है।

उन्होंने कहा, समाधान की तलाश में हमें समस्या को और विकराल नहीं बनाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून की आधारशिला के प्रति समर्पित रहना महत्वपूर्ण है। किसी भी तरह के जातीय सफाए से बचना जरूरी है। गुतारेस ने फलस्तीनी लोगों के अपरिहार्य अधिकारों के इस्तेमाल पर समिति के समक्ष अपनी टिप्पणी में दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, किसी भी टिकाऊ शांति के लिए दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ठोस, अपरिवर्तनीय एवं स्थाई प्रगति के अलावा कब्जे की समाप्ति और एक ऐसे स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना की आवश्यकता होगी, जिसका गाजा एक अभिन्न हिस्सा हो। संरा प्रमुख ने कहा, इजराइल के पास एक व्यवहार्य एवं संप्रभु फलस्तीनी राज्य का शांतिपूर्ण तथा सुरक्षित अस्तित्व पश्चिम एशिया में स्थिरता के लिए एकमात्र स्थाई समाधान है। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अप्रत्याशित ऐलान करते हुए कहा था कि अमेरिका गाजा पट्टी पर अपना स्वामित्व कायम करेगा , इसे अपने अधीन लेगा , फलस्तीनी निवासियों को स्थाई रूप से गाजा से बाहर कहीं और बसाएगा और वहां आर्थिक विकास करेगा, जिससे लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार और आवास उपलब्ध होंगे। ट्रंप के इस प्रस्ताव का अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ उनकी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी विरोध किया है।

ट्रंप की धमकी के बाद मेक्सिको ने अमेरिका से लगी सीमा पर 10,000 सैनिकों को किया तैनात

» सियुदाद जुआरेज़(मेक्सिको), भाषा।

मेक्सिको के नेशनल गार्ड सैनिक और सेना के कई ट्रक सियुदाद जुआरेज़ और टेक्सास के एल पासो को अलग करने वाली सीमा पर बुधवार को देखे गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क लगाने की धमकियों के बाद मेक्सिको ने अपने उत्तरी सीमा पर 10,000 सैनिक भेजे हैं। सियुदाद जुआरेज़ के बाहरी इलाके में नकाबपोश और हथियारबंद राष्ट्रीय गार्ड के सदस्य अवरोधकों के साथ झाड़ियों के बीच से गुजरते देखे गए। तिजुआना के पास भी सैनिकों की गश्ती देखी गई। भारी शुल्क लगाने की ट्रंप की घोषणा के बाद यह घटनाक्रम हुआ है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने वादा किया कि वह सीमा को सुदृढ़ करने और मादक फेंटेनाइल की तस्करी रोकने के लिए देश के नेशनल गार्ड सैनिकों को सीमा पर तैनात करेंगी। पिछले एक साल में अवैध प्रवासन में कमी आने और फेंटेनाइल(दर्द निवारक के रूप में उपयोग की जाने वाली दवा) के अत्यधिक सेवन में उल्लेखनीय गिरावट आने के बावजूद ट्रंप ने सीमा पर आपात स्थिति घोषित कर दी है। मेक्सिको सरकार के एक बयान के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने लैटिन अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान, सीमा पर सैनिकों की तैनाती के लिए मेक्सिको सरकार का आभार जताया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,